कोटद्वार, शुक्रवार
20 सितम्बर 2024
वर्षः 46
अंकः 144 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

ऑटो के ऊपर ट्रक पलटने से 7 लोगों की मौत, 10 घायल

जबलपुर ,मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में मझगवां थाना क्षेत्र के सिहोरा–मझगवां रोड पर भयानक सड़क दुर्घटना हुई है। जहां एक ऑटो के ऊपर हाइवा ट्रक पलट गया। जिस कारण एक बच्चे समेत सात लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

यह हादसा मझगवां थाना क्षेत्र के सिहोरा–मझगवां रोड के नुंदी खम्हरिया में हुआ। शाम के समय बेलगाम तेज रफ्तार से भाग रहा एक हाइवा ट्रक मजदूरों से भरे ऑटो के ऊपर पलट गया। हादसे के बाद वहां चीख–पुकार मच गई। मौके पर पहुंचे लोगों ने पुलिस को सूचना देकर ऑटो में दबे लोगों को बाहर निकालना शुरू किया। इस दौरान पुलिस जब मौके पर पहुंची तो गुस्साए स्थानीय ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया और उन्होंने स्टेट हाईवे पर जाम लगा दिया। घटना में मारे गए सात लोगों में तीन पुरुष, तीन महिलाएं और एक बच्चा शामिल था। हादसा उस वक्त हुआ जब सभी मजदूर इटारसी जा रहे थे, जहां से उन्हें सिहोरा स्टेशन से ट्रेन पकडनी थी। मजदूरी के लिए ऑटो में सवार ये मजदूर प्रतापपुर के निवासी बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस दर्दनाक घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने मृतकों के परिजनों को संबल योजना के तहत चार–चार लाख रुपए और अतिरिक्त रूप से दो–दो लाख रुपए मुआवजे की घोषणा की। इस हादसे ने स्थानीय लोगों और प्रशासन को भी झकझोर कर रख दिया।

बड़ा रेल हादसा होने से टला, मथुरा के पास ट्रेन के 26 डिब्बे पटरी से उतरे

मथुरा ,उत्तर मध्य रेलवे में आगरा मंडल के मथुरा पलवल रेल खण्ड के वृन्दावन रोड और आझई स्टेशन के बीच दिल्ली की तरफ जा रही कोयले से लदी एक मालगड़ी के 26 वैगन बुधवार देर रात पटरी से उतर गये जिसके कारण इस रेलखंड पर यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। मालगाड़ी के बेपटरी होने के चलते 18 गाडियों का निरस्तीकरण कर दिया गया है वहीं 18 गाडियों का मार्ग परिवर्तन कर दिया गया है और तीन गाडियों का आंशिक निरस्तीकरण कर दिया गया है। उत्तर मध्य रेलवे के आगरा डिवीजन की डीसीएम एवं जनसंपर्क अधिकारी प्रशस्ति श्रीवास्तव ने बताया कि मालगाड़ी के चालक और गार्ड सुरक्षित हैं तथा किसी प्रकार की जान–माल की हानि नही हुई है। इंजन के चार वैगन के बाद के डिब्बे पलटे है।आगरा मंडल के डीआरएम तेज प्रकाश अग्रवाल घटनास्थल पर पहुंच गए हैं तथा उनकी देखरेख में रिलीफ का काम शुरू होने जा रहा है। उधर एक्सीडेन्ट रिलीफ ट्रेन भी मौके पर पहुंच गई है। मालगाड़ी के डिब्बे पलटने के कारण चार में से तीन लाइने बाधित हो गई हैं।मथुरा जंकशन स्टेशन के स्टेशन डायरेक्टर एस के श्रीवास्तव ने भी 26 वैगन के पलटने की पुष्टि की है। एनसीआर मुख्यालय प्रयागराज के जनसंपर्क अधिकारी अमित मालवीय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार डिब्बे 1954 बजे पटरी से उतरे थे। इसके कारण जहां 18 गाडियों का निरस्तीकरण कर दिया गया है वहीं 18 गाडियों का मार्ग परिवर्तन कर दिया गया है और तीन गाडियों का आंशिक निरस्तीकरण कर दिया गया है।लाइनों को पुनः संचालित करने का काम युद्धस्तर पर जारी है।

हिमेश रेशमिया के पिता और मशहूर संगीत निर्देशक का निधन

नई दिल्ली ,संगीतकार हिमेश रेशमिया के पिता मशहूर संगीत निर्देशक विपिन रेशमिया का 87 साल की उम्र में निधन हो गया है। मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। विपिन रेशमिया सांस लेने में तकलीफ और उम्र संबंधित समस्याओं से जूझ रहे थे। 18 सितंबर की रात अस्पताल में भर्ती कराए गए और देर रात निधन हो गया। विपिन 87 वर्ष के थे। उनका अंतिम संस्कार आज, 19 सितंबर को मुंबई में किया जाएगा। विपिन रेशमिया ने संगीत निर्देशन में आने से पहले एक टेलीविजन धारावाहिक निर्माता के रूप में अपनी पहचान बनाई। उसके बाद संगीतकार ने तेरा सुरूर, द एक्सपोज़ और इंसाफ की जंग के लिए निर्माता का काम किया। विपिन रेशमिया के द एक्सपोज और तेरा सुरूर फिल्मों में उनके बेटे हिमेश रेशमिया ने मुख्य भूमिका निभाई थी।

उत्तराखंड की जेलों का कम होगा भार, छूटेंगे कई कैदी

● सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर कार्रवाई शुरू ● एक तिहाई सजा काट चुके कैदियों की होगी जमानत

देहरादून। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में उत्तराखंड की जेलों में बंद कैदियों के लिए महत्वपूर्ण आदेश दिया था। आदेश के तहत जिन विचाराधीन कैदियों ने अपने केस की अधिकतम सजा की एक तिहाई अवधि सलाखों के पीछे काट ली है, उन्हें तत्काल जमानत पर रिहा किया जाएगा। लेकिन शर्त है कि वो कैदी किसी अपराध में विचाराधीन न हों, जिसमें आजीवन कैद या मौत की सजा का प्रावधान हो। वहीं अब सुप्रीम आदेश के बाद राज्य की सभी जेलों के अधीक्षक को पत्र जारी कर दिया गया है। इस आदेश के बाद कुल क्षमता से अधिक विचाराधीन कैदी वाले देहरादून, हल्द्वानी और हरिद्वार जेल प्रशासन को बड़ी राहत मिलेगी। जानकारी के मुताबिक, तीनों जेल की व्यवस्था पर अतिरिक्त भार है और कैदियों को अमानवीय परिस्थितियों का भी सामना करना पड़ता है। पुराने कानून, दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) के तहत यह लाभ सजा की आधी अवधि जेल में बीताने के बाद मिलता था। लेकिन सुप्रीम कोर्ट की डबल बेंच ने केंद्र सरकार की सहमति से देश की सभी जेलों को निर्देश जारी किया कि नए प्रावधान का लाभ उन कैदियों को भी दिया जाए, जो पुराने कानून के तहत विचाराधीन हैं। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश नए कानून बीएनएनएस (भारतीय नागरिक न्याय संहिता) की धारा 479 के तहत दिया है। जिसे सुप्रीम कोर्ट ने पुराने कैदियों पर भी लागू करने का आदेश दिया है। ऐसे में सभी जेल अधीक्षक को देखना होगा कि उनकी जेलों में ऐसे कौन से विचाराधीन कैदी हैं, जो सजा की एक तिहाई अवधि बिता चुके हैं। उनकी जमानत अर्जी जिला न्यायालय में लगवानी होगी। डीआईजी जेल दधि राम ने बताया है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के आधार पर सभी जेल अधीक्षकों को निर्देश जारी किए हैं। सजा की एक तिहाई अवधि जेलों में काट चुके कैदियों की सूची बनाई जा रही है, उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आयुष्मान योजना के तहत इलाज में देरी पर होगी सख्त कार्रवाई

देहरादून। आयुष्मान योजना के तहत मरीजों को भर्ती करने में देरी और गलत इलाज की शिकायतों पर अब अस्पतालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण के चेयरमैन की ओर से गुरुवार को यह दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। प्राधिकरण के चेयरमैन अरविंद सिंह ह्यांकी ने गुरुवार को आईटी पार्क स्थित कार्यालय में योजना से जुड़े अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने कहा कि आयुष्मान, राज्य स्वास्थ्य योजना से जुड़े मरीजों की शिकायतों का प्राथमिकता के साथ समाधान किया जाए। उन्होंने कहा कि इस तरह की शिकायतों का तत्काल संज्ञान लिया जाना जरूरी है क्योंकि यदि समय पर समाधान नहीं किया गया तो फिर कार्रवाई का कोई फायदा नहीं है।

उन्होंने प्राधिकरण के अधिकारियों को इस संदर्भ में तत्काल एसओपी जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आयुष्मान योजना के तहत राज्य में 60 लाख के करीब कार्ड धारक हैं और ऐसे में बड़ी संख्या में लोगों के योजना से जुड़े होने पर इसका कड़ाई से क्रिन्यान्वयन जरूरी है।

अब जम्मू कश्मीर में धारा 370 कभी नहीं लौटेगी : धामी

– कांग्रेस, नेशनल कांफ्रेंस और पीडीएफ सिर्फ जनता को गुमराह कर रही है

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने गुरुवार को जम्मू कश्मीर के बसोहली विधानसभा क्षेत्र के बसंतपुर में भाजपा प्रत्याशी दर्शन सिंह के समर्थन में जनसभा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि अब जम्मू कश्मीर में धारा 370 कभी नहीं लौटेगी। कहा कि कांग्रेस, नेशनल कांफ्रेंस और पीडीएफ सिर्फ जनता को गुमराह कर रही है। जम्मू कश्मीर में अपने प्रचार के लगातार दूसरे दिन मुख्यमंत्री धामी ने विपक्ष को आडे हाथों लिया। कहा कि धारा 370 हटने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूल मंत्र के साथ जम्मू कश्मीर में विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है। कहा कि जम्मू कश्मीर में किसानों के लिए आठ हजार करोड़ की योजनाएं चलाई जा रही हैं। पौने तीन लाख से ज्यादा गरीब परिवारों को पक्के मकानों की सौगात दी गई है। 72 लाख लोगों को हर महीने निशुल्क राशन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वे देवभूमि उत्तराखंड से आए हैं, जहां हर स्थान में देवों का वास है। बसोहली क्षेत्र भी मंदिरों के स्थान के रूप में जाना जाता है। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी दर्शन सिंह को अपना समर्थन देकर अधिक से अधिक मतों से विजय बनाने का आह्वान किया। कहा कि इस क्षेत्र में कई प्रत्याशी जनता से वोट मांगने आ रहे हैं, लेकिन उनके चरित्र से जनता भली भांति परिचित है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने धारा 370 और 35ए पर कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस का समर्थन करके स्पष्ट कर दिया है इन दोनों दलों की सोच हमेशा से राष्ट्रविरोधी शक्तियों के जैसी रही है। जनता इन दलों की सच्चाई की जान चुकी है। जम्मू कश्मीर के लोग भ्रष्टाचार, परिवावाद, अलगाववाद को बढ़ावा देने वाली पार्टियों को जड़ से उखाड़ कर फेंकने वाले हैं। उन्होने कहा कांग्रेस उस पार्टी से गठबंधन करती है जो लोग जम्मू कश्मीर को लेकर पाकिस्तान से वार्ता करने की बात कहते हैं। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री मोदी के रहते हुए विपक्ष का कोई भी देश विरोधी षड्यंत्र काम नहीं आएगा।

ख्वाजा आसिफ के बयान पर पीएम मोदी बोले

कांग्रेस–नेशनल कांफ्रेंस की पोल खुद पाकिस्तान ने खोल दी है

कटरा , पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के बयान पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा पाकिस्तान के डिफेंस मिनिस्टर ने कांग्रेस–नेशनल कॉन्फ्रेंस का खुलकर समर्थन किया है। उनका कहना है कि आर्टिकल 370 और 35 को लेकर कांग्रेस का एजेंडा वही है, जो पाकिस्तान का एजेंडा है यानी कांग्रेस–नेशनल कांफ्रेंस की पोल खुद पाकिस्तान ने खोल दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, मोदी आज कांग्रेस–नेशनल कांफ्रेंस को डंके की चोट पर कह रहा है... हम जम्मू–कश्मीर में पाकिस्तान के एजेंडे को लागू नहीं होने देंगे। दुनिया की कोई ताकत जम्मू–कश्मीर में आर्टिकल 370 की वापसी नहीं करा सकती।

नरेंद्र मोदी ने कहा, कुछ समय पहले यहां माता के भक्तों पर कायराना हमला हुआ है। मैं विजय कुमार जी को नमन करता हूं, उन्होंने शिवखेड़ी में श्रद्धालुओं को बचाने के लिए अपना जीवन दे दिया। ये जज्बा हमें प्रेरित करता है। जब से अनुच्छेद 370 की दिवार यहां टूटी है, तब से आतंक और अलगाव यहां लगातार कमजोर पड़ रहे हैं। जम्मू कश्मीर स्थाई शांति की ओर बढ़ चला है। आप सभी के सहयोग से जम्मू कश्मीर आतंकवाद से पूरी तरह मुक्त होकर रहेगा। मोदी ने कहा, पिछले साल 2 करोड़ से अधिक पर्यटक जम्मू–कश्मीर आए और 95 लाख तीर्थयात्री मां वैष्णो देवी के दर्शन के लिए यहां आए। इससे सबको काफी फायदा हुआ है। आने वाले वर्षों में, घाटी में पर्यटन का बहुत बड़ा विस्तार होने वाला है।

प्रधानमंत्री ने कहा, रियासी और उधमपुर के साथ कांग्रेस, नेशनल कांफ्रेंस और पीडीपी ने कैसा सौतेला व्यवहार किया है, ये आप मुझसे ज्यादा जानते हैं। अटल जी की सरकार के समय चिनाब ब्रिज स्वीकृत हुआ था, लेकिन कांग्रेस, नेशनल कांफ्रेंस ने इसकी फाइल को दबा दिया। आपने मोदी को, भाजपा को ये काम सौंपा आज ये शानदार पुल सुविधा के साथ साथ आकर्षण का भी केंद्र बना हुआ है।

मोदी ने कहा, कांग्रेस का शाही परिवार, देश का सबसे भ्रष्ट परिवार है। ये परिवार, भारत में भ्रष्टाचार की कुरीति का जन्मदाता है, उसका पोषक है। इनकी हिम्मत देखिए... ये डोगरों की धरती पर आकर, यहां के राज परिवार को भ्रष्ट कहते हैं। कांग्रेस के नेता ने डोगरा विरासत पर ये हमला जानबूझकर किया है। ये मोहब्बत की दुकान के नाम पर नफरत का सामान बेचने की उनकी पुरानी नीति है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, वोट बैंक के अलावा इन्हें कुछ नहीं दिखता है इसलिए इन्होंने सालों साल तक जम्मू और कश्मीर के बीच खाई को गहरा किया।

सलमान खान के पिता सलीम खान को धमकी

मुंबई ,बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के पिता और मशहूर पटकथा लेखक सलीम खान को एक बार फिर से धमकी मिली है। हाल ही में एक अनजान महिला ने सुबह की सैर पर निकले सलीम खान के पास आकर कहा, लॉरेंस बिश्नोई को भेजूं क्या? यह घटना सलमान खान और उनके परिवार की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता पैदा कर रही है, क्योंकि गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई पहले भी सलमान खान को धमकी दे चुका है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सलीम खान को यह धमकी एक अनजान महिला द्वारा दी गई। महिला ने कॉल पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग का नाम लेकर धमकाया, जिसने पहले ही सलमान खान को निशाना बनाने की धमकी दी थी। यह घटना उस समय आई है जब सलमान खान और उनका परिवार पहले से ही सुरक्षा के घेरे में है। लॉरेंस बिश्नोई, जो फिलहाल जेल में है, ने खुलेआम सलमान खान को जान से मारने की धमकी दी थी, जिससे अभिनेता की सुरक्षा पहले से कड़ी कर दी गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुंबई पुलिस ने तुरंत जांच शुरू कर दी है। फिलहाल मुंबई के बांद्रा पुलिस स्टेशन में महिला के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई है।

दून एक्सप्रेस को पलटाने की कोशिश

● ट्रैक पर रखा सात मीटर लंबा खंभा, मच गया हडकंप

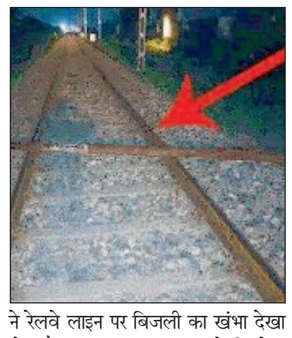

नई दिल्ली , उत्तरप्रदेश के रामपुर में दून एक्सप्रेस को पलटाने की कोशिश की गई है। जानकारी के अनुसार रेलवे ट्रैक पर सात मीटर लंबा खंभा रख दिया गया। गनीमत ये रही कि लोको पायलट ने दूर से ही खंभे को देख लिया और इमरजेंसी ब्रेक लगाकर गाड़ी रोक ली। जानकारी मिलने के बाद प्रशासन में हडकंप मच गया। आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक तथा जीआरपी एसपी ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण कर जायजा लिया। जिसके बाद खंभा हटाकर ट्रेन तो रवाना किया गया। बताया जाता है कि रुद्रपुर बॉर्डर से सिटी क्षेत्र की बलवंत एनक्लेव कालोनी के पीछे से गुजर रही रेलवे लाइन पर खंभा संख्या 45/10 और 11 के बीच बुधवार की रात बिजली का लोहे का भारी भरकम खंभा किसी ने ट्रैक पर रख दिया था। इसी दौरान गाड़ी संख्या 12091 काठगोदाम देहरादून एक्सप्रेस देहरादून से वापस काठगोदाम उसी ट्रैक से जा रही थी। ट्रेन के लोको पायलट ने रेलवे लाइन पर बिजली का खंभा देखा तो चौंक गए। तत्काल इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को रोक लिया और मामले की जानकारी अधिकारियों को दी। साथी रेलकर्मियों की मदद से खंभे को ट्रैक से हटाया भी गया। पुलिस अधीक्षक विद्या किशोर मिश्र ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। उन्होंने पुलिस कर्मियों को निर्देशित किया कि वह ऐसे शरारतीतत्वों पर नजर रखें और उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करें। उधर सूचना पर जीआरपी पुलिस अधीक्षक ने भी मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया और जीआरपी पुलिस को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

बिहार के नवादा में दबंगों का आतंक

फायरिंग कर 80 घरों को किया आग के हवाले, गांव में 5 थानों की पुलिस तैनात

नवादा ,बिहार के नवादा में जमीन विवाद को लेकर दबंगों ने दलित बस्ती में आग लगा दी। करीब 80 घर इस आग में जलकर खाक हो गए। पुलिस का कहना है कि 20 घर ही आग में जले हैं और इस घटना में किसी की मौत नहीं हुई है। इस मामले में पुलिस ने 10 आरोपियों को गिरफ्तार भी कर लिया है। वहीं आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने इस घटना पर नीतीश सरकार को घेरा है। यह घटना नवादा के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के ननौरा के पास स्थित कृष्णा नगर दलित बस्ती की है। यहां दो पक्षों में जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। जिसको लेकर बुधवार रात दबंगों ने दलित परिवारों के साथ मारपीट की थी और फिर हवाई फायरिंग के बाद उनके घरों को आग लगा दी। बताया जा रहा है कि गांव में जमीन के एक हिस्से पर फिलहाल दलित परिवारों का कब्जा है। इस जमीन पर कब्जे को लेकर दूसरे पक्ष से विवाद चल रहा है। पीड़ितों का आरोप है कि बुधवार रात को अचानक दबंगों ने हमला कर दिया। मारपीट के साथ उनके घरों में आग लगा दी गई। एसपी अभिनव धीमान ने बताया, कि सूचना मिली थी कि कुछ व्यक्तियों द्वारा घरों को जलाया गया है। शुरुआत में दावा किया गया था कि 40–50 घर जलाए गए, लेकिन हमने जितना अभी तक सिविल साइड और पुलिस ने रात के अंधेरे में जितना सर्वे किया है, करीब 21 घरों के परिवारों को हमने चिन्हित किया है।इसके साथ ही पुलिस अधीक्षक ने यहां हवाई फायरिंग की घटना से इनकार किया है। एसपी ने बताया कि इस घटना के जो मुख्य आरोपी बताए जा रहे थे, उनको हमने गिरफ्तार कर लिया है। मुख्य आरोपी के साथ–साथ 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा, जब तक हालात सामान्य नहीं हो जाते, तब तक पुलिस फोर्स तैनात रहेगी। बताया जा रहा है कि लगभग 5 थानों की पुलिस को यहां बुलाया गया है।

टनकपुर–पिथौरागढ़ हाईवे 42 घंटे बाद खुला

चम्पावत। टनकपुर–पिथौरागढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग 42 घंटे बाद गुरुवार को खुल गया। स्वाला के पास पहाड़ी से बड़ी मात्रा में गिरे मलबे को हटा लिया गया है। फिलहाल यहां से हल्के वाहनों की आवाजाही हो रही है। एचएच खुलने से चम्पावत और पिथौरागढ़ जिले के लोगों ने राहत की सांस ली है। स्वाला के पास 42 घंटे से बंद चल रहे टनकपुर–पिथौरागढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग को गुरुवार को खोल दिया गया है। एनएच में स्वाला के पास बीते मंगलवार की देर शाम करीब साढ़े सात बजे मलबा आने से वाहनों की आवाजाही बंद कर दी गई थी। राष्ट्रीय राजमार्ग खंड ने इस स्थान पर पहाड़ी से गिरे मलबे और बोल्डरों को हटाने के लिए चार मशीनें तैनात की थीं। भारी मात्रा में मलबा और बोल्डर जमा होने तथा पहाड़ी से रुक–रुक कर गिर रहे मलबे से सड़क खोलने के काम में बाधा उत्पन्न हुई। मलबा के कारण बुधवार को यहां से वाहनों का संचालन नहीं हो सका था। मशीनों से दिन भर मलबा हटाने का काम जारी रहा।

उत्तराखंड त्रिस्तरीय पंचायत संगठन का प्रतिनिधि मंडल पंचायत मंत्री से मिला

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : उत्तराखंड त्रिस्तरीय पंचायत संगठन का एक प्रतिनिधिमंडल अपनी मांगों के संदर्भ में प्रदेश के पंचायतीराज मंत्री सतपाल महाराज से मिला।

उत्तराखंड त्रिस्तरीय पंचायत संगठन का एक प्रतिनिधिमंडल अपनी मांगों के संदर्भ में ग्राम प्रधान संगठन के प्रदेश अध्यक्ष भास्कर सम्मल के नेतृत्व में प्रदेश के पंचायतीराज मंत्री सतपाल महाराज से उनके आवास पर मिला। उन्होंने पंचायतों को सशक्त करने में उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रसंशा करते हुए आभार व्यक्त किया।

पंचायती राज मंत्री श्री महाराज ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उनकी मांगों का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए परीक्षण करवाने के साथ ही उसे विधि विभाग को भेज दिया था। संविधान के अनुरूप ही मांगों विचार किया जाएगा।

पंचायतीराज मंत्री सतपाल महाराज ने प्रतिनिधि मंडल से चर्चा के दौरान कहा कि सरकार संविधान की 11वीं अनुसूची में वर्णित समस्त 29 विषयों को पंचायती राज संस्थाओं को सौंपने के साथ-साथ पंचायतों को सशक्त करने के लिए लगातार काम कर रही है। संविधान की 11वीं अनुसूची में वर्णित 29 विषयों की निधियों, कार्मिकों एवं कार्यों को पंचायतों को वास्तविक अर्थों को हस्तांतरित करने के लिए हम संकल्पबद्ध है।

माफिया सरकार चलाते थे, बबुआ 12 बजे तक सोता था : सीएम योगी

अयोध्या ,उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को समाजवादी पार्टी (सपा) पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि हर जिले का बड़ा माफिया और गुंडा सपा से जुड़ा था। इनका पदाधिकारी या शागिर्द था। वहां संगठित अपराध, पशु, वन, खनन, भू–माफिया थे। माफिया समानांतर सरकार चलाकर अराजकता व गुंडागर्दी का तांडव करते थे, तो बबुआ घर से बाहर नहीं निकलता था। बबुआ 12 बजे सोकर उठता था। जनता पिसती थी। मुस्लिम तुष्टिकरण की हद को पार करते हुए पर्व व त्योहारों में इन लोगों ने अराजकता फैलाई थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को रामनगरी अयोध्या को विकास की नई सौगात दी। उन्होंने यहां एक हजार करोड़ से अधिक की 83 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण–शिलान्यास किया। सीएम ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चेक, चाबी, प्रमाण पत्र, सिलाई मशीन आदि प्रदान किया। सीएम ने मिल्कीपुर में कराए जाने वाले विकास कार्यों को भी गिनाया। उन्होंने कहा कि मिल्कीपुर में मिनी स्टेडियम बनने जा रहा है। 30 मार्गों का शिलान्यास हो रहा है। रेवना में ग्रामीण स्टेडियम के निर्माण के लिए 9 करोड़ रुपये दिए हैं। सीएम योगी ने सपा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि होली, दीवाली, रक्षाबंधन–शिवरात्रि, रामनवमी–जन्माष्टमी को बैन कर दिया गया था। जन्माष्टमी के आयोजनों पर इन्होंने थाना, पुलिस लाइन, जेलों में रोक लगा दी थी। कहते थे कि जन्माष्टमी में भजन न गाओ। हरे रामा, हरे कृष्णा की धुन कुछ लोगों को पसंद नहीं थी, इसलिए सपा इसे बैन करती थी। कांवड़ यात्रा पर बैन लगाती थी। दुर्गा पूजा में अयोध्या का दंगा हर किसी ने देखा। सपा सरकार में देवकाली मंदिर में मूर्ति चोरी हो गई थी। बतौर सांसद गोरखपुर से आकर मैंने आंदोलन किया था। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश के आर्थिक विकास का ग्रोथ इंजन बनकर उभरा है। 2017 से पहले उत्तर प्रदेश भारत के विकास का बैरियर माना जाता था। अराजकता चरम पर थी। विकास योजनाओं में भेदभाव व महापुरुषों का अपमान होता था। भाजपा की डबल इंजन सरकार ने साढ़े सात वर्ष में विकास के कार्यों को तेज गति से बढ़ाया। आज फोरलेन, टू लेन सडकें, गांव की बेहतर कनेक्टिविटी, गांव–मजरे में बिजली–पानी की व्यवस्था दिखती है। उत्तर प्रदेश में 2.62 करोड़ परिवारों को शौचालय व 56 लाख गरीबों को आवास दिया गया। 1.20 लाख मजरों तक बिजली, 1.56 करोड़ से अधिक परिवारों को फ्री बिजली कनेक्शन, 1.83 करोड़ परिवारों को उज्ज्वला योजना में फ्री सिलेंडर दिए गए। पिछले वर्ष से इन परिवारों को होली–दीवाली पर फ्री सिलेंडर दे रहे हैं। यूपी में 15 करोड़ लोग फ्री में राशन पा रहे हैं, लेकिन 2017 के पहले सपा के गुंडे गरीबों का राशन हजम कर जाते थे। सीएम ने कहा कि सपा के लोग गोतस्करी, वनों का कटान, जमीनों पर कब्जा करते थे, लेकिन आज जमीनों से कब्जे हट चुके हैं। हमारी सरकार ने 2017 के बाद एंटी भू–माफिया टास्क फोर्स बनाया और सपा के भू–माफिया–गुंडों से 64 हजार हेक्टेयर जमीन को मुक्त कराया। भदरसा में भी जमीनों को कब्जा मुक्त कराया गया है। गुर्गों से जमीन मुक्त कराने पर परेशानी हुई तो सरगना कहता है कि अयोध्या में जमीन घोटाला हुआ है। यहां जमीन घोटाला नहीं हुआ, बल्कि किसानों को 1,700 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया गया है। यह लोग अपने गुर्गों के काले कारनामों के पक्ष में बोल रहे हैं। एक भी मामला ऐसा नहीं है, जहां पीड़ित को मुआवजा न मिला हो। जिस अयोध्या को इन्होंने राम भक्तों के लहू से सींचा था, वहां 22 जनवरी से अब तक तीन करोड़ से अधिक श्रद्धालु भगवान रामलला के दर्शन कर चुके हैं। सीएम ने कहा कि दीपोत्सव पर अयोध्या के मंदिरों पर जब दीप जलते हैं तो सिर्फ सपा मुखिया और पाकिस्तान को परेशानी होती है। इन्हें मालूम है कि अयोध्या में जलने वाला एक–एक दीप अयोध्या, प्रदेश व देश को रोशन करेगा और मानवता पर कैंसर बन चुके पाकिस्तान को भी नेस्तनाबूद करने का सामर्थ्य रखता है।

सम्पादकीय

ओवर रेटिंग पर कारवाई

उत्तराखंड में शराब की कीमतें अन्य राज्यों के मुकाबले काफी महंगी है उस पर शराब के ठेकेदारों ने उपभोक्ताओं से मनमाने दाम वसूलने की एक नई परंपरा शुरू कर दी है। लगभग हर ठेके में शराब खरीदने के दौरान निर्धारित कीमत से कहीं अधिक पैसे लिए जा रहे हैं और न देने पर मारपीट जैसी नौबत तक आ जाती है। सबसे पहले कई बार इस घपले बाजी की शिकायत प्रशासन और पुलिस तक पहुंची है लेकिन न जाने वह कौन से कारण है जो इन शराब ठेकेदारों की मनमानी के आगे पूरा तंत्र घुटने टेक कर बैठा रहा। इधर देहरादून के नए डीएम का पद संभालने के साथ ही जिलाधिकारी सविन बंसल ने राजधानी देहरादून की कुछ बुनियादी सुविधाओं को बदलने का प्रयास किया है जिसके तहत तहसील एवं कलेक्ट्रेट में सफाई व्यवस्था, लोगों की रुकी हुई पेंशन व नगर की सफाई व्यवस्था को लेकर कड़े तेवर दिखाये। इधर शराब की दुकानों में ओवर रेटिंग की काफी लंबे समय से शिकायतें मिल रही थी जिस पर वर्तमान जिलाधिकारी के तेवरों ने पूरे शराब सिंडिकेट में हड़कंप पैदा कर दिया। असल में शराब की दुकानों के ठेकेदार दबंगता और मनमानी के तहत हर प्रकार की बोतल में 5 से तीस रुपए तक की ओवर रेटिंग करते आ रहे थे। खरीदारों के विरोध करने के बाद भी ना तो दुकानदारों को प्रशासन का डर था और ना ही फोन करने पर कोई कार्रवाई की जाती थी। जिलाधिकारी और उनकी टीम ने जिस प्रकार से शराब की दुकानों में एक साथ छापेमारी करते हुए अपने सामने ओवर रेटिंग पकड़ी वह प्रशासन का एक सराहनीय कदम है। अधिकांश शराब की दुकानों में काफी अनियमितताएं भी पाई गई, जिस पर अलग-अलग दुकानों में एक लाख रुपए तक का जुर्माना प्रशासन की ओर से किया गया। शराब कारोबारी के लिए यह सब कुछ बेहद अप्रत्याशित था क्योंकि अब से पहले लोगों के विरोध के बाद भी ना तो ओवर रेटिंग पर कोई दुकानों में झांकने के लिए आता था और आता भी था तो मात्र नोटिस चस्पा करके खानापूर्ति पूरी कर ली जाती थी। शराब पर भारी कर वसूलने के साथ महंगी शराब बेची जा रही है वहीं उस पर ओवर रेटिंग की मार उपभोक्ताओं पर भारी पड़ रही है। विडंबना यह है कि विरोध करने के बाद भी प्रशासन कार्रवाई नहीं करता था जिससे शराब ठेकेदार और उनके सेल्समेन मनमानी पर उतारू रहते थे। प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद हो सकता है कुछ समय के लिए शराब की दुकानों पर व्यवस्थाए पटरी पर नजर आए लेकिन यदि नियमित तौर पर इसकी मॉनिटरिंग नही की गई तो फिर वही पुराना ढर्रा लागू हो सकता है। जिला प्रशासन को प्रत्येक दुकानों पर एक हेल्पलाइन नंबर जारी करना चाहिए जिसमें न केवल कॉल करने का रिकॉर्ड रखा जाए बल्कि फोन करने पर तत्काल दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई भी की जाए। महंगी शराब खरीदने के बावजूद अलग से पैसा देना कहीं से भी तर्कसंगत नहीं है और इस मनमानी और दबंगता को रोकने के लिए जिलाधिकारी देहरादून और उनकी टीम की निश्चित तौर पर सराहना करनी चाहिए।

घाटी में बसे दो प्रकार के वर्ग

जम्मू-कश्मीर विधानसभा के चुनाव 18 सितंबर से लेकर एक अक्टूबर के बीच तीन चरणों में संपन्न होंगे। चुनाव का मुद्दा क्या है? क्या कश्मीर वर्ष 2019 से पहले के उस कालखंड में लौटे, जब क्षेत्र में सभी आर्थिक गतिविधियां बंद थी, विकास कार्यों पर लगभग अघोषित प्रतिबंध था, सेना-पुलिसबलों पर लगातार पत्थरबाजी होती थी, गाए-बगाए अलगाववादियों द्वारा बंद बुला लिया जाता था और वातावरण पाकिस्तान जिंदाबाद' जैसे भारत विरोधी नारों से दूषित होता रहता था? या फिर इस केंद्र शासित प्रदेश में बीते पांच वर्षों की भांति वैसी विकास की धारा बहती रहे, जिसके कारण कश्मीर तुलमात्मक रूप से शांत है, देश के शेष हिस्सों की तरह संविधान-कानून का इकबाल है और बहुलतावादी संस्कृति के साथ समरसता से युक्त वातावरण है?

बलबीर पुंज

अब्दुल्ला-मुफ्ती परिवारों का दोहरा मापदंड किसी से छिपा नहीं है। यह लोग जब दिल्ली में होते है, तब सेकुलरवाद', एकता, शांति, भाईचारे की बात करते हुए एकाएक भावुक हो जाते है। किंतु घाटी लौटते ही उनके भाषणों/वक्तव्यों में भारतीय एकता-अखंडता के प्रति घृणा, तो बहुलतावाद-लोकतंत्र विरोधी इस्लामी कट्टरपंथियों के लिए सहानुभूति दिखती है।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा के चुनाव 18 सितंबर से लेकर एक अक्टूबर के बीच तीन चरणों में संपन्न होंगे। चुनाव का मुद्दा क्या है? क्या कश्मीर वर्ष 2019 से पहले के उस कालखंड में लौटे, जब क्षेत्र में सभी आर्थिक गतिविधियां बंद थी, विकास कार्यों पर लगभग अघोषित प्रतिबंध था, सेना-पुलिसबलों पर लगातार पत्थरबाजी होती थी, गाए-बगाए अलगाववादियों द्वारा बंद बुला लिया जाता था और वातावरण पाकिस्तान जिंदाबाद' जैसे भारत विरोधी नारों से दूषित होता रहता था? या फिर इस केंद्र शासित प्रदेश में बीते पांच वर्षों की भांति वैसी विकास की धारा बहती रहे, जिसके कारण कश्मीर तुलमात्मक रूप से शांत है, देश के शेष हिस्सों की तरह संविधान-कानून का इकबाल है और बहुलतावादी संस्कृति के साथ समरसता से युक्त वातावरण है?

यह प्रश्न इसलिए भी प्रासंगिक है, क्योंकि इस चुनाव में जम्मू-कश्मीर के बड़े क्षत्रप दल नेशनल कॉन्फ्रेंस ने राष्ट्रीय पार्टी कांग्रेस के साथ गठबंधन किया है, जिसका घोषणापत्र मतदाताओं से वादा करता है कि सत्ता में लौटने पर उस जहरीली धारा 370-35ए को भारतीय संविधान में बहाल करेंगे, जिसके सक्रिय रहते (अगस्त 2019 से पहले) पूरा सूबा अंधकार में था, पर्यटक आने से कतराते थे, सिनेमाघरों पर ताला लगा हुआ था, मजहब केंद्रित आतंकवाद, पाकिस्तान समर्थित अलगाववाद का वर्चस्व था और शेष देश की भांति दलित-वंचितों के साथ आदिवासियों को मिलने वाले संवैधानिक अधिकारों (आरक्षण सहित) पर डाका था।

धारा 370-35ए के संवैधानिक परिमार्जन के बाद जम्मू-कश्मीर पिछले पांच वर्षों से गुलजार हो रहा है। तिरंगामयी हो चुके श्रीनगर स्थित लालचौक की रौनक देखते ही बनती है। पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। तीन दशक से अधिक के लंबे फासले के बाद नए-पुराने सिनेमाघर संचालित हो रहे हैं। देर रात तक लोग प्रसिद्ध शिकारा की सवारी का आनंद ले रहे हैं। स्कूल-कॉलेज और विश्वविद्यालय भी सुचारू रूप से चल रहे हैं। दुकानें भी लंबे समय तक खुली रहती हैं। स्थानीय लोगों का जीवनस्तर सुधर रहा है। जिहादी दंश झेलने के बाद वर्षों पहले घाटी छोड़कर गए कश्मीरी पंडित धीरे-धीरे लौटने लगे है।

बदली परिस्थिति में जी-20 सम्मेलन हो चुका है, तो फिल्म निर्माता-निर्देशक घाटी की ओर फिर से आकर्षित होने लगे है। जम्मू-कश्मीर की नई औद्योगिक नीति के अंतर्गत, देश-विदेश से लगभग सवा लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आ चुके हैं, जिससे प्रदेश में 4।69 लाख रोजगार पैदा होने का अनुमान है। यहां तक, गत वर्ष कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी श्रीनगर में तिरंगे के साथ अपनी महत्वकांशी भारत जोड़ो यात्रा' का समापन कर चुके है। अगस्त 2019 से पहले क्या स्थिति थी, यह पूर्व केंद्रीय गृहमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुशील कुमार शिंदे के हालिया वक्तव्य से स्पष्ट है।

जम्मू-कश्मीर का एक वर्ग पाकिस्तानी मानसिकता से ग्रस्त है। चूंकि पाकिस्तान किसी देश का नाम न होकर

स्वयं में एक विचारधारा है और काफिर-कुफ्र' अवधारणा से प्रेरणा पाता है, इसलिए घाटी के कुछ नेता इसी चिंतन का प्रतिनिधित्व करते हुए क्षेत्र को पुराने, मजहबी, अराजकवादी और मध्यकालीन दौर में लौटाना चाहते है। नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी भी घाटी में इसी विभाजनकारी मानस के प्रमुख झंडाबरदार है। जातिगत जनगणना की हिमायती कांग्रेस का गठबंधन उसी नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ है, जिसने अपने चुनावी घोषणापत्र में जम्मू-कश्मीर में सभी आरक्षणों की समीक्षा' करने की भी बात कही है। यह वादा क्षेत्र में वाल्मिकी-आदिवासी समाज के साथ मुस्लिम गुज्जर और बकरवालों के अधिकारों पर कुठाराघात करता है। यही नहीं, नेशनल कॉन्फ्रेंस फिर से अलगाववाद से प्रेरित स्वायत्तता' की बात कर रहा है। उनके घोषणापत्र में उन कैदियों को रिहा करने का वादा किया गया है, जो आतंकवादी और राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों के शामिल होने के कारण जेल में बंद है। साथ ही उसमें श्रीनगर के प्रसिद्ध शंकराचार्य पर्वत को तख्त-ए-सुलेमान' और हरि पर्वत किले को कोह-ए-मरान' के रूप में संदर्भित किया गया है।

जम्मू-कश्मीर में प्रमुख क्षत्रपों के अतिरिक्त सज्जाद लोन की पीपुल्स कॉन्फ्रेंस' और अल्ताफ बुखारी की जेके अपनी पार्टी' के साथ जेल में बंद अलगाववादी शेख अब्दुल राशिद (राशिद इंजीनियर) की अवामी इत्तेहाद पार्टी' भी चुनावी मैदान में है। जब से राशिद इंजीनियर ने इस वर्ष बारामूला की लोकसभा सीट से नेशनल कॉन्फ्रेंस के शीर्ष नेता और पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को बुरी तरह परास्त किया है, तब से आशंका जताई जा रही हैं कि राशिद एक प्रभावशाली ताकत बनकर उभर सकते है, जो क्षेत्र के साथ शेष देश के लिए चिंता का विषय हो सकता है।

लोकसभा चुनाव में उमर की करारी हार ने घाटी में अधिकांश सीटें जीतकर वापसी की उम्मीद कर रही नेशनल कॉन्फ्रेंस की स्थिति को धुंधला किया है। इसी हताशा और अवसरवाद की खोज में नेशनल कॉन्फ्रेंस ने कांग्रेस के साथ हाथ मिलाया है, जो गुलाम नबी आजाद द्वारा अगस्त 2022 में पार्टी छोड़ने के बाद लगभग कमजोर हो चुकी है। बात यदि पीडीपी की करें, तो उसकी शीर्ष नेत्री और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती को भी अनंतनाग-राजौरी संसदीय सीट पर हार का मुंह देखना पड़ा था। उमर और महबूबा की हार से स्पष्ट है कि घाटी के लोग परिवारवादियों से मुक्ति चाहते है। राष्ट्रीय दल के रूप में भाजपा एक बड़ी पार्टी है, जिसका 43 विधानसभा सीटों वाले जम्मू क्षेत्र में मजबूत आधार है।

अब्दुल्ला-मुफ्ती परिवारों का दोहरा मापदंड किसी से छिपा नहीं है। यह लोग जब दिल्ली में होते है, तब सेकुलरवाद', एकता, शांति, भाईचारे की बात करते हुए एकाएक भावुक हो जाते है। किंतु घाटी लौटते ही उनके भाषणों/वक्तव्यों में भारतीय एकता-अखंडता के प्रति घृणा, तो बहुलतावाद-लोकतंत्र विरोधी इस्लामी कट्टरपंथियों के लिए सहानुभूति दिखती है। सच तो यह है कि घाटी में बसे दो प्रकार के वर्ग- भारत-हितैषी और भारत-विरोधी, इन राजनीतिक परिवारों की असलियत जान चुके है और इनसे छुटकारा पाना चाहते है।

यह कहना तो कठिन है कि घाटी की जनता किस ओर जाएगी। इसका खुलासा 8 अक्टूबर को ईवीएम आधारित मतगणना के बाद हो जाएगा। परंतु इतना स्पष्ट कहा जा सकता है कि यदि प्रदेश को इसी तरह विकास के पथ पर चलना है और अलगाववादी-सांप्रदायिक-अराजक तत्वों से छुटकारा पाना है, तो उन्हें संकीर्ण और मध्यकालीन मजहबी मानसिकता से ऊपर से उठकर सोचना होगा।

अलविदा दोस्त, आप बहुत याद आओगे

अंशुल त्रिवेदी

आम तौर पर किसी कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव को लोग उसकी ईमानदारी, सादा जीवनशैली और मार्क्सवादी पार्टी के सिद्धांतों में अटूट आस्था के लिए याद करते हैं। येचुरी को लोग इन सब मूल्यों के लिए तो याद कर ही रहे हैं लेकिन- चाहे वो राजनीतिज्ञ हों, पत्रकार हों या आंदोलन के सहभागी हों- वे सब सर्वप्रथम अपने दोस्त सीता' को याद कर रहे हैं। एक दृष्टि से शायद ये किसी वामपंथी के लिए सबसे बड़ा सम्मान है क्योंकि आखिर कॉमरेड शब्द का अर्थ ही साथी या दोस्त होता है। जब से सीताराम येचुरी के असामयिक निधन की खबर आई है तब से सोशल मीडिया पर उन्हें श्रद्धांजलि देते संदेशों की बाढ़ आ गई है। आम तौर पर किसी कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव को लोग उसकी ईमानदारी, सादा जीवनशैली और मार्क्सवादी पार्टी के सिद्धांतों में अटूट आस्था के लिए याद करते हैं। येचुरी को लोग इन सब मूल्यों के लिए तो याद कर ही रहे हैं लेकिन- चाहे वो राजनीतिज्ञ हों, पत्रकार हों या आंदोलन के सहभागी हों- वे सब सर्वप्रथम अपने दोस्त सीता' को याद कर रहे हैं। एक दृष्टि से शायद ये किसी वामपंथी के लिए सबसे बड़ा सम्मान है क्योंकि आखिर कॉमरेड शब्द का अर्थ ही साथी या दोस्त होता है। यह शब्द समाज में आर्थिक और राजनीतिक सत्ता से उत्पन्न नकली पदवियों का प्रतीकात्मक खंडन कर उसके बरक्स इंसानों के बीच नैसर्गिक समानता का सूचक है। सीताराम को दोस्त की तरह याद किया जाना उनके वामपंथी मूल्यों को जीने का प्रमाण है।

सीताराम का जाना एक युग के अंत का इशारा है। उनकी पीढ़ी आजादी के तुरंत बाद उपनिवेशवाद से उपजी भयंकर गरीबी से जूझ रहे भारत में जन्मी थी। उसने नेहरू के समय में अपनी सूझ-बूझ विकसित की थी। वह दौर आत्मकेंद्रित पूंजीवाद के महिमामंडन का नहीं, बल्कि सामूहिकता और समाजवाद के सपनों का दौर था जिसका प्रत्यक्ष राजनीतिक परिलक्षण अमेरिका और सोवियत संघ के संघर्ष में दिखाई देता था। यही कारण था की उस वक्त के इलीट का एक बड़ा हिस्सा वामपंथी और समाजवादी आदर्शों से प्रभावित होकर उन आन्दोलनों से जुड़ा।तत्कालीन राजनीति में बहस गरीबी के दंश से निपटने और उसको पैदा करने वाली परिस्थितियों के आमूलचूल परिवर्तन के ऊपर केंद्रित होती थी। इस परिपेक्ष में तत्कालीन कांग्रेस और समतावादी विपक्ष में समय-समय पर स्पर्धा और सहयोग का दौर चला। जिसके चलते भारत की लोकतंत्र की जड़ें और गहरी हुईं और राष्ट्रनिर्माण की धारा का रुख सदैव प्रगतिशील दिशा की ओर रहा।

सोवियत संघ के विघटन के साथ ही वामपंथ के महाख्यान पर एक बड़ा आघात हुआ। उसके बाद बाजार के साथ-साथ अस्मिता की राजनीति का भी विस्तार हुआ और संपत्ति के बटवारे की जगह सत्ता में भागीदारी की मांग उठी। वाम मोर्चे की चुनावी ताकत भी लगातार क्षीण होती गई। इस बदलाव ने भारत के लोकतंत्र में वामपंथी मोर्चे को अपनी भूमिका का पुनः आकलन करने पर विवश किया। जहां यह बात सच है कि वामपंथी दर्शन समानता के मूल्य को प्राथमिकता देता है वहीं यह भी सच है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को वह केवल एक साधन मात्र के रूप में देखता है; जबकि उसका साध्य अंत सर्वहारा का राज' या डिक्टेटरशिप ऑफ द प्रोलेटेरियट' स्थापित करना है।दर्शन के इस मूल विरोधाभास के चलते लोकतंत्र में सत्ता और विचार में संतुलन बनाने और सहयोगी और विपक्षी ताकतों की पहचान करने में वामपंथी आंदोलन से चूक होती रही है। इसका एक उदाहरण ज्योति बासु को प्रधानमंत्री नहीं बनने देना था- जिसको बासु ने ऐतिहासिक भूल करार दिया था।आज वैश्विक अर्थव्यवस्था और राजनीति का स्वरुप पूरी तरह बदल चुका है। इसका एहसास मार्क्सवादी नेताओं और विचारकों को भी है। लगातार बदलती वास्तविकताओं के साथ मार्क्सवादी वैचारिकी में भी गंभीर बहसें छिड़ी हुई हैं। इस अनिश्चितता के दौर में सीताराम के दोस्त कहलाने के गंभीर राजनीतिक मायने भी हैं। चूंकि उनके दोस्त बनाने के हुनर के पीछे मूलतः उनका लोकतांत्रिक स्वभाव था। अनेक दोस्तों ने याद किया की जब वे जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी में छात्र संघ अध्यक्ष थे तब भी कैसे संवाद की कला में माहिर थे। वे तर्क और तथ्य के आधार पर लोगों को अपने मत की ओर आकर्षित करने की कोशिश करते थे और जहां इसमें असफल होते थे वहां असहमति पर सहमति बना कर हमेशा संवाद जारी रखते थे।जाहिर सी बात है की ताली एक हाथ से नहीं बजती। आज वे सभी ताकतें जो पूंजीवाद और नफरत के गठजोड़ के खिलाफ गांधी-अम्बेडकर-भगत सिंह के सपनों के भारत को बचाने और बनाने की लड़ाई लड़ रही हैं ये उन सब पर लागू होता है। किन्तु वामपंथी मोर्चे से यह अपेक्षा इसलिए भी रखी जाती है क्योंकि गैर-भाजपाई खेमें में आज भी सबसे बड़ा वैचारिक संगठन उन्हीं के पास है।इतिहास के इस खंड की चुनौतियों से निपटने की कुंजी भी शायद सीताराम हमें देकर गए हैं। वर्तमान सरकार ने जब जेएनयू पर हमला कर गोदी मीडिया के जरिये उसके खिलाफ एक सुनियोजित चरित्र हनन का अभियान चलाया था तब सीताराम स्टैंड विथ जेएनयू आंदोलन को समर्थन देने वाले पहले नेताओं में से थे। उन्होंने छात्रों का हौसला बढ़ाते हुए कहा था कि, आधुनिक भारत का क्या स्वरूप होगा इस पर बहस हो सकती है लेकिन यदि फर्जी हिन्दू गौरव के नाम पर आप आधुनिक भारत के आधार पर ही हमला करना चाहते हो तो ये हमें मंजूर नहीं' ! आज संविधान और लोकतंत्र के लिए लड़ रहीं सभी ताकतों की ज़िम्मेदारी है कि वो इस सीख को राजनीतिक रूप से जमीन पर उतारें। वही कॉमरेड सीताराम को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

फिल्म जिगरा का सॉन्ग चल कुड़िए रिलीज, आलिया-दिलजीत के गाने में दिखी महिला सशक्तिकरण की झलक

आखिरकार, बीटीएस तस्वीरों के बाद आलिया भट्ट की जिगरा का गाना चल कुड़िए रिलीज हो गया है. मेकर्स ने दिलजीत दोसांझ और एक्ट्रेस के साथ वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया, फैंस इसे खूब पसंद कर रहे हैं. जिगरा 2024 की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है. हिट ट्रैक इक कुड़ी के आठ साल बाद दिलजीत आलिया की जोड़ी एक साथ आई है.आलिया भट्ट ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमे दोनों ने इस खूबसूरत ट्रैक के लिए कोलेब किया है. गाना महिला सशक्तिकरण पर आधारित है. जिसे शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है- चल कुड़िए अभी आ गई है, जिगरा सिनेमाघरों में, 11 अक्टूबर को. एक फैन ने लिखा- आलिया सुपरस्टार हैं. एक ने लिखा- शुरुआती डायलॉग ने ही मुझे प्रभावित कर लिया. साथ ही, आलिया की आवाज दिलजीत की एनर्जी से मैच करती है. इस म्यूजिक वीडियो में दिलजीत व्हाइट आउटफिट में नजर आ रहे हैं. जबकि आलिया ने भी टी शर्ट पहन रखी है जिस पर ह्यघरह्व शब्द मेंशन है. यह गाना अब सारेगामा यूट्यूब चैनल और सभी ऑडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर अवेलेबल है.जिगरा की बात करें तो हाल ही में इसका टीजर रिलीज हुआ था और हर कोई उनकी परफॉर्मेंस से हैरान था. वीडियो की शुरुआत आलिया भट्ट से होती है जो होटल में ड्रिंक करती हैं और अपने भाई के बारे में बात करती हैं. वह कहती हैं कि उनके पास बहुत कम समय है और उन्हें बहुत कुछ करना है. जैसे-जैसे वीडियो आगे बढ़ता है, हम देखते हैं कि वेदांग रैना को गिरफ्तार कर लिया जाता है और आलिया उसे छुड़ाने की कोशिश कर रही हैं.

चेन्नई टेस्ट के पहले दिन ही बवाल, लिटन दास से भिड़ गए ऋ षभ पंत

नईदिल्ली,भारत और बांग्लादेश के बीच चेन्नई में टेस्ट सीरीज का पहला मैच खेला जा रहा है. टीम इंडिया की शुरुआत बेहद खराब हुआ. हालांकि यशस्वी जयसवाल ने मोर्चा संभाले रखा. टीम इंडिया के लिए ऋषभ पंत ने 39 रनों की पारी खेली. पंत ने 52 गेंदों का सामना करते हुए 6 चौके भी लगाए. पंत की इस पारी के दौरान बवाल होते-होते बच गया. वे लिटन दास से भिड़ गए. इसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी शेयर किया गया है. दरअसल भारत की पारी के दौरान ऋषभ पंत नंबर पांच पर बैटिंग करने आए. उन्होंने 52 गेंदों का सामना करते हुए 39 रन बनाए. पंत ने 6 चौके लगाए. भारत की पारी के 16वें ओवर में पंत बैटिंग कर रहे थे.

यशस्वी जायसवाल ने खेली अर्धशतकीय पारी, बना डाले कई रिकॉर्ड्स

चेन्नई,भारतीय क्रिकेट टीम और बांग्लादेश क्रिकेट टीम के बीच पहला टेस्ट मैच खेला जा रहा है। मैच के पहले दिन युवा सनसनी यशस्वी जायसवाल ने शानदार अर्धशतकीय पारी (56) खेली।यशस्वी को छोड़ भारतीय शीर्ष क्रम में और कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल पाया। उनके अलावा ऋषभ पंत ने 39 रन की पारी खेली।यशस्वी ने इस दौरान कई रिकॉर्ड्स भी बनाए। यशस्वी ने 118 गेंदों का सामना किया और 56 रन बनाए। उनके बल्ले से 9 चौके निकले।एक समय भारत के 3 बल्लेबाज सिर्फ 34 रन पर पवेलियन लौट गए थे। यहां से यशस्वी ने पंत के साथ 99 गेंद में 62 रन की साझेदारी निभाई। पंत के आउट होने के बाद उन्होंने केएल राहुल के साथ 48 रन जोड़े।ऐसा लग रहा था कि यशस्वी एक बड़ी पारी खेलेंगे, लेकिन नाहिद राणा ने उन्हें आउट कर पवेलियन भेज दिया। पहले 10 टेस्ट में सबसे ज्यादा 50+ का स्कोर बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों में यशस्वी अब संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं।यशस्वी ने 8 बार यह किया है। भारत के पूर्व खिलाड़ी सदगोपन रमेश ने भी पहले 10 टेस्ट में 8 बार 50+ का स्कोर बनाया था।यशस्वी के पास अभी एक और पारी है और वह सुनील गावस्कर की बराबरी कर सकते हैं। पहले 10 टेस्ट में गावस्कर ने 9 बार 50+ का स्कोर बनाया था।

आमिर खान के बेटे जुनैद खान की नई फिल्म की रिलीज डेट का एलान

आमिर खान के बेटे जुनैद खान और श्रीदेवी की बेटी खुशी कपूर पहली बार रोमांटिक ड्रामा में स्क्रीन शेयर करने के लिए तैयार हैं. इस खबर से फैंस काफी एक्साइटेड हो गए हैं और फिल्म से बाकी के अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. हाल ही में मेकर्स ने एक पोस्टर शेयर करते हुए फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा की. यह 7 फिल्म 7 फरवरी, 2025 को स्क्रीन पर आएगी और इसका निर्देशन अद्वैत चंदन ने किया है. फिलहाल फिल्म का टाइटल रिवील नहीं किया गया है.इंस्टाग्राम पर फैंटम ने एक पोस्टर शेयर किया जिसमें हम देख सकते हैं कि एक लडक़ी और लडक़ा सेल्फी लेते हुए दिखाई दे रहे हैं. पोस्टर शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा- क्या आप खुशी कपूर और जुनैद खान के साथ डिजिटल युग में प्यार का एक्सपीरियंस करने के लिए तैयार हैं. 7 फरवरी 2025 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में ! अद्वैत चंदन द्वारा निर्देशित फिलहाल फिल्म का टाइटल रिवील नहीं किया गया है. पोस्टर शेयर होते ही फैंस ने रिएक्शन देने शुरू कर दिए. एक फैन ने लिखा, अनटाइटल्ड, जल्दी इसका टाइटल डिसाइड करो. दूसरे ने लिखा- यह बहुत प्यारा होने वाला है..इंतजार नहीं कर सकता. वहीं एक ने लिखा- जुनैद को फिर से स्क्रीन पर देखने के लिए एक्साइटेड हूं. रिपोर्ट्स के मुताबिक मुंबई में शूटिंग का पहला शेड्यूल पूरा हो चुका है और अब यह जोड़ी राजधानी में शूटिंग कर रही है. टीम ने तीन-चार दिन पहले यहां शूटिंग शुरू की है और यह शेड्यूल अगले 10-12 दिनों तक चलेगा. बताया जा रहा है कि यह फिल्म 2022 की तमिल हिट लव टुडे की रीमेक होगी, जिसमें प्रदीप रंगनाथन ने लीड रोल प्ले किया है और इसे निर्देशित किया था. जुनैद खान ने महाराजा से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी.

बॉक्स ऑफिस पर द बकिंघम मर्डर्स की दैनिक कमाई में भारी गिरावट

हंसल मेहता के निर्देशन में बनी फिल्म द बकिंघम मर्डर्स को 13 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज किया था।इस फिल्म में अभिनेत्री करीना कपूर मुख्य भूमिका में नजर आ रही हैं, जिन्होंने अपनी उम्दा अदाकारी से एक बार फिर दर्शकों का दिल जीत लिया है, लेकिन यह फिल्म पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर दर्शकों के लिए तरस रही है।केवल 4 दिन में द बकिंघम मर्डर्स की दैनिक कमाई लाखों में सिमट गई है। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, द बकिंघम मर्डर्स ने अपनी रिलीज के चौथे दिन यानी सोमवार को 75 लाख रुपये का कारोबार किया,

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर स्वदेश लौटी पुरुष हॉकी टीम का गर्मजोशी से स्वागत

नई दिल्ली, भारतीय सीनियर पुरुष हॉकी टीम का 2024 एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में रिकॉर्ड तोड़ जीत के बाद गुरुवार तड़के स्वदेश लौटने पर यहां इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

कप्तान हरमनप्रीत सिंह के नेतृत्व में भारतीय टीम ने मंगलवार को मोकी हॉकी ट्रेनिंग बेस में फाइनल में मेजबान चीन को 1-0 से हराकर पांचवीं बार ट्रॉफी हासिल की। 2024 पेरिस ओलंपिक में उनकी सफलता के ठीक एक महीने बाद, जिसमें उन्होंने अपना लगातार दूसरा कांस्य पदक हासिल किया, टीम पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही और चीन पर 3-0 से जीत के साथ जोरदार अंदाज में नॉकआउट चरण में अपनी जगह दर्ज की, जापान पर 5-1 से जीत, मलेशिया पर 8-1 से जीत, कोरिया पर 3-1 से जीत और प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान पर 2-1 से जीत के साथ अपने पूल में शीर्ष पर रही। सेमीफाइनल में कोरिया पर 4-1 की जीत के बाद भारत का फाइनल में चीन से मुकाबला होना तय हो गया था, जिसे टूर्नामेंट का सबसे कठिन मैच भी कहा जा सकता है। चौथे क्वार्टर के अंत में जुगराज सिंह के एकमात्र गोल ने भारत को मेजबान टीम के संघर्षपूर्ण प्रयास पर काबू पाने और जीत हासिल करने में मदद की। इस जीत ने भारत को टूर्नामेंट के इतिहास में रिकॉर्ड पांच खिताब के साथ सबसे सफल टीम बना दिया। भारत पांच बार खिताब जीतने वाली एकमात्र टीम बन गई, जिसने 2023 में अपनी जीत के बाद लगातार दूसरे संस्करण में ट्रॉफी बरकरार रखी। भारत ने इससे पहले 2016 और 2018 में बैक-टू-बैक खिताब हासिल किया था। भारत ने इससे पहले 2011 में यह खिताब जीता था।

टीम के प्रयासों को पुरस्कृत करने के लिए, हॉकी इंडिया ने प्रत्येक खिलाड़ी के लिए 3 लाख रुपये और प्रत्येक सहयोगी स्टाफ सदस्य के लिए 1.5 लाख रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की।

एक नजर

गैंगस्टर एक्ट में तीन आरोपी दबोचे

हरिद्वार। स्मैक तस्करी से जुड़े गैंगस्टर ऐक्ट के तीन आरोपियों को ज्वालापुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों को कोर्ट में पेश किया, जहां से जेल भेज दिया गया। कोतवाली प्रभारी प्रदीप बिष्ट ने बताया कि आरोपी अभिषेक पुत्र राजवीर सिंह निवासी ग्राम चांदपुर स्याहू थाना चांदपुर जिला बिजनौर उत्तर प्रदेश हाल निवासी सुभाषनगर, उसके परिवार की महिला ईसा पुत्र सईद निवासी लादपुर लक्सर को स्मैक की तस्करी के आरोप में पहले गिरफ्तार किय गयाथा। बताया कि आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर ऐक्ट में भी कार्रवाई की गई थी। बताया कि फरार चल रहे आरोपियों को गैंगस्टर ऐक्ट के तहत गिरफ्तार कर लिया गया।

कैंपस कॉलेज में धरना–प्रदर्शन में धक्का–मुक्की

ऋषिकेश। श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय के ऋषिकेश कैंपस कॉलेज में गुरुवार को भी हंगामा हुआ। छात्रसंघ समारोह की अनुमति की मांग को लेकर छात्रसंघ पदाधिकारियों और एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने धरना–प्रदर्शन किया। उन्होंने सुबह कैंपस के प्रशासनिक भवन में ताला भी जड़ा। पुलिसकर्मियों ने उन्हें गेट से बलपूर्वक हटाकर बामुश्किल ताला खोला। पुलिसकर्मियों से धक्का–मुक्की के बीच पदाधिकारी और कार्यकर्ता भवन के गेट के बाहर ही सुबह से दोपहर तक धरने पर बैठे रहे। गुरुवार सुबह छात्रसंघ अध्यक्ष हिमांशु जाटव ने एनएसयूआई कार्यकर्ताओं के साथ दो घंटे सांकेतिक धरने का ऐलान किया था, लेकिन अचानक 10:30 बजे के बाद उन्होंने समर्थकों के साथ कैंपस कॉलेज के प्रशासनिक भवन के गेट पर ताला लगा दिया। कैंपस निदेशक और अन्य प्रोफेसर के भवन में कैद होते ही पुलिस हरकत में आई। भवन के गेट पर जमे छात्रसंघ अध्यक्ष और एनएसयूआई कार्यकर्ताओं को पुलिसकर्मियों ने जबरन हटाया। इसको लेकर नोकझोंक और धक्का–मुक्की शुरू हो गई। पुलिसकर्मियों ने बामुश्किल सभी को गेट से हटाने के बाद भवन का ताला खोला। ताला खुलने के बावजूद छात्रसंघ अध्यक्ष समेत कार्यकर्ता गेट पर ही जमे रहे। उन्होंने छात्रसंघ समारोह की अनुमति देने की मांग को लेकर दोपहर करीब एक बजे तक धरना–प्रदर्शन किया। इसी बीच किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल भी मौके पर तैनात रही। छात्रसंघ अध्यक्ष ने बताया कि शुक्रवार को आंदोलन के लिए रणनीति बनाई जा रही है। मांग पूरी होने तक छात्रसंघ पदाधिकारी और एनएसयूआई कार्यकर्ता आंदोलन से पीछे नहीं हटेंगे।

दून में रोजगार मेला पांच अक्तूबर को

देहरादून। सेवायोजन विभाग की ओर से देहरादून में 05 अक्तूबर को रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा। इसमें 40 से अधिक निजी कंपनियां 01 हजार से अधिक पदों के लिए साक्षात्कार लेंगे। मेले के लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू हो गई है। क्षेत्रीय सेवायोजन अधिकारी अजय सिंह ने बताया कि रोजगार मेले में फार्मा, मैन्यूफेक्चरिंग, हॉस्पिटालिटी, हेल्थ, सर्विस, सिक्योरिटी, सेल्स, मार्केटिंग आदि क्षेत्रों में युवाओं के पास रोजगार के अवसर हैं। निजी कंपनियां 08वीं पास से लेकर स्नातकोत्तर तक शैक्षणिक योग्यता के हिसाब से रोजगार मुहैया कराएंगी। युवाओं के पास विभिन्न क्षेत्रों में 10 हजार से 75 हजार रुपये मासिक मानदेय की नौकरी प्राप्त करने का अवसर है। साक्षात्कार लेने वाली अधिकतर कंपनियां देहरादून में ही चयनित अभ्यर्थियों को प्लेसमेंट देंगी। उन्होंने बताया कि पंजीकरण की प्रक्रिया ऑफलाइन हैं, अभ्यर्थियों को क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय देहरादून आकर पंजीकरण कराना होगा। दूसरे जिलों और दूर के अभ्यर्थी मेले के दिन भी पंजीकरण करवा सकते हैं।

वहीं, मेले में वही अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकते हैं, जो पहले से सेवायोजन विभाग में पंजीकृत हों। अभ्यर्थीयों को अपना बायोडाटा, मूल प्रमाण पत्र और उनकी छायाप्रति, सेवायोजन का पंजीकरण कार्ड, पासपोर्ट फाटो, आईडी फ्रूफ साथ लाना होगा।

असल मुद्दों से ध्यान भटकाने को वन नेशन वन इलेक्शनः आर्य

देहरादून। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने केंद्र सरकार के वन नेशन, वन इलेक्शन को जनता के असल मुद्दों से ध्यान भटकाने वाला बताया। इस कदम को लोकतंत्र की विविधता और संघीय ढांचे के लिए भी खतरनाक करार दिया। कहा कि एक साथ चुनाव कराने से राष्ट्रीय मुद्दों के सामने क्षेत्रीय मुद्दे दब जाएंगे। एक बयान जारी कर नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि मौजूदा समय में चुनाव आयोग चार राज्यों के विधानसभा चुनाव एक साथ नहीं करा पा रहा है। ऐसे में वन नेशन वन इलेक्शन कैसे होगा। भाजपा भी जानती है कि ये संभव नहीं है।

गाड़ीपड़ाव की सब्जी व फल की फड़ों पर चली जेसीबी

नगर निगम ने नजीबाबाद रोड के समीप गाड़ीपड़ाव में चलाया अभियान

जीबाबाद रोड गाड़ीपड़ाव में जेसीबी फेरने के बाद ध्वस्त पड़ी फड

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नजीबाबाद रोड गाड़ीपड़ाव में पसरे अस्थाई अतिक्रमण पर आखिर नगर निगम की नजर पड़ ही गई। गुरुवार शाम नगर निगम ने मौके पर पहुंचकर कब्जा कर लगाई गई रेहड़ी व फल की फड़ों को जेसीबी से ध्वस्त करते हुए। व्यापारियों को दोबारा अतिक्रमण न करने की सख्त चेतावनी दी। वहीं, सब्जी व फल विक्रेताओं ने भी नगर निगम पर उनके उत्पीड़न का आरोप लगाया।

गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में अतिक्रमण नासूर बनता जा रहा है। ऐसे में अब शहर में अस्थाई अतिक्रमण के खिलाफ नगर निगम ने अभियान की शुरुआत कर दी है। प्रथम चरण में नजीबाबाद चौराहे को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए गाड़ीपड़ाव में चल रही 12 से अधिक सब्जी व फल की फड़ों को ध्वस्त किया गया। गुरुवार शाम करीब पांच बजे जैसे ही निगम के अधिकारी गाड़ीपड़ाव में पहुंचे सब्जी व फल विक्रेताओं ने उनका विरोध किया। लेकिन, अधिकारियों ने एक ओर से लाइन में खड़ी 12 फड़ों पर जेसीबी चलवा दी। जेसीबी चलने से व्यापारियों की सब्जी व फल भी बर्बाद हो गए थे। व्यापारियों ने बताया कि इस तरक की कार्यप्रणाली अपनाकर नगर निगम उनका शोषण कर रहा है। फड खाली करवाने के लिए उन्हें किसी भी तरह का नोटिस तक जारी नहीं किया गया। केवल एक दिन पहले ही मुनादी करवाई गई थी। जबकि, गाड़ीपड़ाव में अन्य अतिक्रमण फैला हुआ है। लेकिन, नगर निगम को केवल सब्जी व फल विक्रेता ही नजर आए। कहा कि फड़ टूटने से अब उनके समक्ष परिवार की आर्थिकी चलाना भी मुश्किल हो जाएगा।

अतिक्रमण नहीं हटने पर समिति ने जताया रोष

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : लगातार उठ रही मांग के बाद भी कोटद्वार शहर में अतिक्रमण नहीं हटने पर उत्तराखंड विकास समिति ने रोष व्यक्त किया है। कहा कि शहर के हित को लेकर शासन–प्रशासन लापरवाह बना हुआ है। समिति के अध्यक्ष जानकी बल्लभ मैंदोला की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने कहा कि शहर में अवैध अतिक्रमण नासूर बनता जा रहा है। बावजूद अतिक्रमण को लेकर अधिकारी हाईकोर्ट के आदेशों की अनदेखी कर रहे हैं। सरकारी तंत्र अवैध अतिक्रमण करने वाले रसूखदार लोगों पर कार्रवाई करने से बच रहा है। वक्ताओं ने प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था के लिए भी शासन–प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया। कहा कि लचर कानून व्यवस्था के चलते आए दिन महिलाओं के साथ दुष्कर्म की घटनाएं हो रही है। बैठक में कोटद्वार में सिटी बस संचालन न किए जाने पर भी आक्रोश व्यक्त किया। बैठक में नगर की समस्याओं के समाधान के लिए जिलाधिकारी से एक माह में एक कैंप लगाने का भी सुझाव रखा गया। इस मौके पर गोपाल कृष्ण बड़थ्वाल, दुर्गा प्रसाद दूबे, चंद्रप्रकाश नैथानी, मनोहर लाल बड़थ्वाल, विपुल उनियाल मौजूद रहे।

ग्रामीणों को दी साइबर अपराध से बचाव की जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : रिखणीखाल पुलिस ने ग्रामीणों को लगातार बढ़ रहे साइबर अपराध के प्रति जागरूक किया। कहा कि साइबर अपराध से बचाव के लिए, जागरूकता ही आवश्यक है। इस दौरान ग्रामीणों से गोवंश सड़क पर छोड़ने वालों की सूचना पुलिस को देने की भी अपील की गई।

गुरुवार को ग्राम सभा नौदानू के पंचायत भवन में महिला मंगल दल की बैठक आयोजित की गई। जिसमें थानाध्यक्ष संतोष पैथवाल ने महिलाओं को साइबर अपराध से बचाव के बारे में बताया। कहा कि वर्तमान में साइबर अपराध लगातार बढ़ता जा रहा है। ऐसे में जागरूकता से ही साइबर जैसे अपराधों से बचा जा सकता है। कहा कि ग्रामीण यह जानकारी अधिक से अधिक व्यक्तियों तक पहुंचानी चाहिए। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से क्षेत्र में संदिग्ध अवस्था में घूमने वाले व्यक्तियों की जानकारी पुलिस को देने की भी अपील की। कहा कि ग्रामीणों को भी कमरा या दुकान किराए पर देने से पूर्व व्यक्ति का सत्यापन अवश्य करवा लेना चाहिए। बिना सत्यापन कमरा व दुकान किराए पर देने वालों के खिलाफ पुलिस लगातार कार्रवाई करती रहती है। ग्रामीणों को गोवंश संरक्षण के प्रति भी जागरूक किया गया है। कहा कि कई व्यक्ति अपने गोवंशों को सड़क पर छोड़ देते हैं। जिससे यातायात व्यवस्था बाधित होती है। गोवंश छोड़ने वालों के खिलाफ पुलिस चालान की कार्रवाई कर रही है। इस मौके पर पूर्व प्रधान महिपाल सिंह, पुष्पा देवी, लक्ष्मी देवी, दीपा देवी, भोपाल सिंह रावत, कैलाश जोशी शंभू प्रसाद, सुशील आदि मौजूद रहे।

सत्यापन अभियान में लापरवाही, भड़के कांग्रेसी

कोटद्वार कोतवाली में प्रभारी निरीक्षक रमेश तनवार को ज्ञापन देते कांग्रेसी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : शहर में लगातार बढ़ रहे अपराध पर कांग्रेस ने रोष व्यक्त किया है। कहा कि शहर में सत्यापन अभियान को लेकर भी पुलिस लापरवाह बनी हुई है। यही नहीं शहर में नशे का कारोबार भी तेजी से बढ़ रहा है।

इस संबंध में कांग्रेस नेताओं ने कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रमेश तनवार को ज्ञापन दिया। बताया कि उत्तर प्रदेश की सीमा से सटे होने के कारण गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में भी आपराधिक घटनाएं बढ़ती जा रही है। पुलिस का ध्यान केवल कौड़िया चैक पोस्ट पर रहता है। जबकि, अपराधी अन्य मार्गों से होते हुए कोटद्वार शहर में प्रवेश कर जाते हैं। यही कारण है कि शहर में लगातार नशे का कारोबार भी लगातार बढ़ता जा रहा है। स्मैक का बड़ा रैकेट चलाने वालों तक पुलिस नहीं पहुंच पा रही है। कहा कि शहर के संदिग्ध इलाकों में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति का सत्यापन किया जाना चाहिए। कांग्रेस ने शहर में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने की मांग उठाई। कहा कि नेशनल हाईवे पर रेहड़ी-ठेली बेतरतीब तरीके से खड़ी रहती है। लेकिन, पुलिस सिर्फ वाहनों के चालान में ही जुटी रहती है। इस मौके पर विनोद डबराल, प्रवेश रावत, कृपाल सिंह, महावीर सिंह नेगी, गोपाल गुसाईं, गबर सिंह आदि मौजूद रहे।

वन रैंक-वन पेंशन को लेकर करेंगे आंदोलन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पूर्व सैनिक संघर्ष समिति की ओर से आहूत बैठक में पूर्व सैनिकों ने वन रैंक-वन पेंशन को निराशाजनक बताया। तय किया गया कि पूर्व सैनिक वन रैंक-वन पेंशन को लेकर विरोध रैली निकालेंगे। कोटद्वार नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत निंबूचौड़ स्थित एक बारातघर में पूर्व सैनिक संघर्ष समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन का लेखा-जोखा सार्वजनिक किया गया। तत्पश्चात समिति की गतिविधियों को लेकर विचार विमर्श किया गया। निर्णय लिया गया कि संगठन के स्वरूप को गैर राजनीतिक ही रखा जाएगा। समिति के माध्यम से विधानसभा कोटद्वार की जन समस्याओं को शासन-प्रशासन के सम्मुख उठाया जाएगा। भविष्य में आयोजित होने वाली रैलियों से पहले सभी संगठनों से विचार विमर्श किया जाएगा। वन रैंक-वन पेंशन को लेकर फेडरेशन आफ वेटरन एसोसिएशन को पत्र लिखा जाएगा। बैठक में समिति की ओर से तीन प्रवक्ताओं को भी नियुक्त किया गया, जो संघर्ष समिति के आधिकारिक प्रवक्ता होंगे। इस मौके पर अध्यक्ष महेंद्र पाल सिंह रावत, मेहरबान सिंह चौहान, राजेश बिष्ट, देवेंद्र बिष्ट, गोपाल सिंह नेगी, ठाकुर सिंह, चंदन सिंह, नंदन सिंह, प्रकाश रावत, अनसूया प्रसाद गोस्वामी, अनसूया प्रसाद सेमवाल सहित कई अन्य मौजूद रहे।

गुठेर्ता के ग्राम कोटा में फिर दिखा गुलदार, दहशत में ग्रामीण

19 अगस्त को गांव में गुलदार ने एक मासूम को बनाया था निवाला

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : प्रखंड रिखणीखाल के अंतर्गत ग्रामसभा गुठेर्ता के ग्राम कोटा में एक बार फिर गुलदार का खौफ छाने लगा है। बताते चलें कि बीते 19 अगस्त को गांव में गुलदार ने एक मासूम को निवाला बना दिया था। इसके बाद गढ़वाल वन प्रभाग की टीम ने गांव से दो गुलदारों को पिंजरे में कैद कर ग्रामीणों को भयमुक्त किया। लेकिन, एक बार फिर गांव में गुलदार नजर आने से ग्रामीणों में खौफ पनपने लगा है। बताते चलें कि 19 अगस्त की रात ग्रामसभा गुठेर्ता के अंतर्गत ग्राम कोटा निवासी भारत सिंह के नाती आदित्य पर उस वक्त हमला कर दिया, जब वह शाम करीब साढ़े सात बजे घर के आंगन में खेल रहा था। देर रात आदित्य का क्षत-विक्षत शव घर से दूर जंगल में बरामद हुआ। आदित्य अपनी मां अर्चना देवी के साथ ही ग्राम उनेरी स्थित अपने घर से ननिहाल कोटा आया था। घटना के बाद से ही क्षेत्र में दहशत फैली हुई थी। दहशत के चलते आसपास के क्षेत्रों के तमाम विद्यालयों में अवकाश घोषित कर दिया गया। साथ ही ग्रामीणों को अकेले आवागमन पर भी रोक लगा दी गई। 26 अगस्त को कोटा गांव में गढ़वाल वन प्रभाग की टीम ने एक गुलदार को पिंजरे में कैद कर दिया। लेकिन, इस गुलदार के कैद होने के बाद भी क्षेत्र में एक गुलदार सक्रिय रहा। जिस कारण ग्रामीणों में दहशत खत्म नहीं हुई। ग्रामीणों में फैली इस दहशत के बीच दो सितंबर की रात करीब पौने नौ बजे ग्राम कोटा में गुलदार को ट्रैंक्यूलाइज कर पिंजरे में कैद कर दिया गया, जिसके बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। एक बार फिर ग्रामसभा गुठेर्ता में गुलदार की दहशत होने लगी है। ग्राम प्रधान मीनाक्षी देवी ने बताया कि ग्राम कोटा में पिछले तीन-चार दिन से लगातार गुलदार नजर आ रहा है। बताया कि गुलदार दिखने के बाद क्षेत्र में एक बार फिर ग्रामीणों में दहशत पनप गई है। बताया कि गुलदार दिखने के संबंध में वन विभाग को जानकारी दी गई है।

लोकनृत्य प्रतियोगिता में जलेथा का दिखा दबदबा

विकास खंड जयहरीखाल के बेसिक विद्यालयों की प्रतियोगिता में अव्वल विद्यार्थियों को सम्मानित करते अतिथि।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : विकासखंड जहरीखाल में बेसिक विद्यालयों के लिए क्रीड़ा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस दौरान लोकनृत्य प्रतियोगिता में राजकीय प्राथमिक विद्यालय जलेथा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ विधायक दिलीप सिंह रावत की पत्नी नीतू रावत ने दीप प्रज्जवलित कर किया। वक्ताओं ने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ ही खेल के क्षेत्र में भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कहा कि आज कई युवा खेल के क्षेत्र में आगे बढ़कर अपने देश व प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। इस दौरान सौ मीटर दौड़ बालक वर्ग में उच्च प्राथमिक विद्यालय बांसी के छात्र अभिषेक, आदर्श ग्वीलानी व हिमांशु ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। पचास मीटर दौड़ बालक वर्ग में कफल्डी के अभिषेक, कांडई के जतिन व आदर्श जहरीखाल के कृष्णा प्रथम, द्वितीय, तृतीय रहे। गोला फेंक जूनियर वर्ग में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बांसी के छात्र हिमांशु व सचिव ने प्रथम, द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया। इस मौके पर शिक्षा अधिकारी अमित कुमार चंद, राजीव थपलियाल, दीवान सिंह रावत, निर्मला नेगी, मीना, अनूप कंडारी, सुरेंद्र सिंह रावत, दर्शन सिंह गुसाईं, भावना वर्मा, सत्यपाल सिंह, विपुल भंडारी, जगदीश राठी, चंद्रमोहन सिंह रावत आदि मौजूद रहे।

साइबर धोखाधड़ी से नुकसान के बारे में जाना

ऋषिकेश। मॉर्डन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलॉजी के कंप्यूटर साइंस एंड इनफार्मेशन टेक्नालॉजी विभाग ने साइबर सिक्योरिटी पर जागरूकता के लिए गुरुवार को कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें साइबर धोखाधड़ी से होने वाले नुकसान से बचाव की जानकारी दी गई। विनोद डोभाल ने बताया कि साइबर अपराध एक आपराधिक गतिविधि है। यह कंप्यूटर नेटवर्क एवं नेटवर्क डिवाइस को लक्षित करती है। कार्यशाला में विनोद डोभाल ने बताया कि साइबर अपराध व्यक्तियों या संगठनों द्वारा किया जाता है। कुछ साइबर अपराधी संगठित होते हैं, जो उन्नत तकनीकों का उपयोग करते हैं। ईमेल, इंटरनेट धोखाधड़ी, कार्ड भुगतान डेटा की चोरी समेत कई तरीके होते हैं, जिनसे लोगों के साथ धोखाधड़ी की जाती है। उन्होंने साइबर धोखाधड़ी से बचने के तरीके भी बताये।

23 सितंबर को ठेकेदार निकालेगें महारैली

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : प्रदेश में छोटे टेंडरों की मांग उठा रहे ठेकदारों ने अब आंदोलन की रणनीति तय की है।

23 सितंबर को पौड़ी में विभिन्न मांगों को लेकर महारैली निकालने का निर्णय लिया गया है।

गुरुवार को भी लोनिवि की निविदाओं का बहिष्कार किया गया। हिमालयन संविदाकार ठेकेदार समिति पौड़ी के अध्यक्ष संतन सिंह नेगी, उपाध्यक्ष उपेंद्र भट्ट और कोषाध्यक्ष क्रांति किशोर नेगी सहित सचिव प्रदीप असवाल ने कहा कि ठेकदार प्रदेशभर में छोटी निविदाओं लगाने की गुहार लगा रहा है। जिसमें 10 करोड़ तक के कामों को उत्तराखंड के मूल निवासी ठेकेदारों को ही दिए जाने की भी मांग शामिल है। वहीं ठेकेदारों के लंबे समय से लंबित भुगतानों को जारी करने, ठेकेदारों के पंजीकरण को सरल करने, ठेकेदारों से पुनः रॉयल्टी नहीं लिए जाने, आपदा में लगे श्रमिक और मशीनों का बीमा कवर दिए जाने, केंद्र की योजनाओं के कामों में स्थानीय ठेकेदारों का वरीयता दिए जाने सहित विभिन्न मांगे शामिल है। लेकिन इन मांगों पर लंबे समय से कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है। जिसके कारण ठेकेदारों में आक्रोश है। प्रशासन को सूचित करते हुए निर्णय लिया गया कि पौड़ी जिला मुख्यालय पर 23 सितंबर को महारैली का आयोजन किया जाएगा। यदि इसके बाद भी उक्त समस्याओं का हल नहीं होता तो ठेकदार किसी भी विभाग की निविदाओं को नहीं लेंगे।

निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में 186 रोगी लाभान्वित

ऋषिकेश। हिमालयन अस्पताल जौलीग्रांट, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उत्तराखंड और मुख्य चिकित्सा कार्यालय हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में सीएचसी भगवानपुर में निशुल्क आयुष्मान आरोग्य शिविर का आयोजन किया गया।

इसमें करीब 186 से ज्यादा रोगियों ने निशुल्क स्वास्थ्य जांच का लाभ उठाया। एचआईएमएस के प्राचार्य डॉ. एके देवरारी के दिशा–निर्देशन में आयोजित शिविर में कम्यूनिटी मेडिसिन से डॉ. सुरभि मिश्रा, जनरल मेडिसिन विभाग से डॉ. शिवम सेठी, बाल रोग विभाग से डॉ. देबाज्योति बनर्जी, नेत्र रोग विभाग से डॉ. छवि गर्ग, स्त्री रोग विभाग से डॉ. सिमरन धवन, डेंटल सर्जरी से डॉ. रेनू परमार, हड्डी रोग विभाग से डॉ. सुकांत तोमर, मनोरोग से डॉ. अंशु प्रसाद ने स्वास्थ्य शिविर में पहुंचे करीब 186 से ज्यादा रोगियों की जांच कर स्वास्थ्य परामर्श दिया।

पीएलवी स्वयं सेवी अपने-अपने क्षेत्र में कार्य करें : जिला न्यायधीश

जिला न्यायधीश अजय चौधरी पीएलवी जगमोहन डांगी को सम्मानित करते हुए।

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिला न्यायालय के सभागार हाल में नालसा के निर्देशन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पौड़ी गढ़वाल एवं माइग्रेशन एंड असायलम प्रोजेक्ट (मैप) के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न हो गया है। इस दौरान जिला न्यायधीश अजय चौधरी ने जनपद के सभी पीएलवी स्वयं सेवियों को अपने-अपने क्षेत्र में कार्य करने के निर्देश दिये।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतिम दिवस पर जिला न्यायधीश अजय चौधरी ने सभी प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले पीएलवी गणों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सत्र पर राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) और राज्य स्तर राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (सालसा) तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा निर्देशन में कार्य करते है, लेकिन इसमें पीएलवी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि पीएलवी जरूरतमंद को न्याय दिलवाने और उनकी कानूनी सहायता कर उनकी समस्या का निवारण करने का प्रयास करें। इस अवसर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पौड़ी अकरम अली, सत्र न्यायाधीश लक्ष्मण सिंह, प्रशिक्षण करवाने वाली संस्था प्रवासन और शरण परियोजना (मैप) ट्रेनर अंकिता सरकार, जामयांग ल्हामो और शोएब खान सहित पीएलवी जगमोहन डांगी, पुष्पेंद्र राणा, पूनम हटवाल, आरती जुयाल, विनोद चौहान, अवतार सिंह, दीपक रावत आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अधिवक्ता विनोद कुमार ने किया।

एसएसबी का अभिन्न अंग बनें 86 उपनिरीक्षक

श्रीनगर गढ़वाल : सशस्त्र सीमा बल में कठोर प्रशिक्षण के बाद 86 उपनिरीक्षक संगठन के अभिन्न अंग बन गए। एसएसबी प्रशिक्षण केंद्र में दीक्षांत परेड में सीधी भर्ती के प्रशिक्षु उपनिरीक्षकों ने पद और कर्तव्यों के प्रति शपथ ली। परेड़ में मुख्य अतिथि एसएसबी बल मुख्यालय दिल्ली के महानिरीक्षक (प्रशासन) राजिंदर कुमार बुमला को सलामी दी।

सम्बन्ध विच्छेद

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री शालू मेरे कहने सुनने में नहीं है तथा उसने अपनी इच्छानुसार विवाह कर लिया है। जिसमें मेरी कोई सहमति नहीं है। इसलिए मैं अपनी पुत्री शालू को अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। मेरी उक्त पुत्री द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के कार्यों के लिए मैं जिम्मेदार नहीं रहूंगा।

लोकचन्द्र पुत्र शिवचरण निवासी खूनीबड़, पट्टी मोटाढाक, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(0449/21)

कल्जीखाल ब्लॉक की 17 ग्राम सभाओं को पौड़ी ब्लॉक में शामिल किया जाएं

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : कल्जीखाल ब्लॉक की पट्टी कफोलस्यूं की करीब 17 ग्राम सभाओं को पौड़ी ब्लॉक में शामिल किए जाने की मांग स्थानीय ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने की है। ग्रामीणों के एक प्रतिनिधिमंडल ने इस संबंध में डीएम और डीपीआरओ से भी मुलाकात की और उन्हें ज्ञापन सौंपा। ग्राम पंचायतों के परिसीमन को लेकर इन दिनों आपत्तियां मांगी गई है। इन पर सुनवाई 23 सितंबर को रखी गई है।

गुरुवार को कफोलस्यूं पट्टी के डांग, कोलडी, मरोडा, अगरोडा, चिंडालू, बिष्ट बूंगा, धारकोट पाली आदि गांवों के लोगों ने डीपीआरओ और डीएम से मुलाकात की। ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने कहा कि उनकी तहसील पौड़ी है, लेकिन ब्लॉक कल्जीखाल पड़ता है। ब्लॉक मुख्यालय कल्जीखाल जाने के लिए जहां दूरी अधिक है वहीं आवागन को लेकर भी दिक्कतें होती है। इस संबंध में पूर्व में ही ग्रामसभाओं में हुई खुली बैठकों में कल्जीखाल ब्लॉक से हटाते हुए पौड़ी ब्लॉक में शामिल किए जाने को लेकर प्रस्ताव भी पारित किए गए। लेकिन इसके बावजूद उन्हें कल्जीखाल ब्लॉक से नहीं हटाया गया। जिसके कारण उनमें रोष है। मांग की गई कि उन्हें पौड़ी ब्लॉक में शामिल किया जाए। इस मौके पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख जगदीश बिष्ट, ग्राम प्रधान नौगांव विक्रम सिंह, उत्तम नेगी, सामाजिक कार्यकर्ता हेमंत मोहन नेगी, सुभाष, महावीर सिंह, जगमोहन सिंह, अरुण नैथानी, शांता प्रसाद आदि मौजूद रहे।

1 अक्टूबर को होगा छात्र संघ चुनाव

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विवि के बिड़ला परिसर में छात्र संघ चुनाव 2024-25 के लिए अधिसूचना जारी हो गई है। प्रो. सती ने बताया कि छात्र संघ चुनाव अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, सह-सचिव, कोषाध्यक्ष, कार्यकारिणी सदस्य, विवि छात्र संघ प्रतिनिधि के पदों पर होंगे। 23 सितम्बर को सुबह 11 बजे से अपराह्न चार बजे और 24 सितम्बर को सुबह 11 बजे से अपराह्न दो बजे तक नामांकन होंगे। 26 सितम्बर को नामांकन वापसी होगी। उन्होंने बताया कि दो अक्तूबर को सुबह 11 बजे एसीएल हॉल में निर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण आयोजित किया जाएगा। छात्र संघ चुनाव अधिकारी प्रो. एससी सती ने बताया कि प्रत्याशी नामांकन पत्र 23 सितम्बर से चुनाव कार्यालय सीनेट हॉल से सुबह दस बजे से प्राप्त कर सकते है। इस मौके पर मुख्य नियंता प्रो. बीपी नैथानी, प्रो. अतुल ध्यानी, प्रो. सीमा धवन, डॉ. आशुतोष गुप्त, डॉ. बृजेश, डॉ. नितिन सती आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०

निविदा विस्तार सूचना

विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार से आमन्त्रित **निविदा सं0 04/24–25** से **निविदा सं0 07/24–25** के निविदा प्रपत्र विक्रय करने की तिथि अपरिहार्य कारणवश 03.10.2024 को 13.00 बजे तक बढ़ायी जाती है जो दि0 04.10.2024 के 13.00 बजे तक स्वीकार की जायेगी तथा उसी दिन 15.00 बजे सार्वजनिक रूप से खोली जायेगी। अन्य शर्तें पूर्ववत है।

पत्रांक : 1904/विविखको/टी–6
दिनांक : 19.09.2024

अधिशासी अभियन्ता
विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार

(CIN) U40109UP2001SG025867/2358 विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें
"राष्ट्र हित में बिजली बचाएं" (Customer Care Toll Free no. 1800 419 0405)

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

टेन्डर नं. Sr. DEN-IV/Publication/24-25 दिनांक : 19.09.2024

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/चतुर्थ द्वारा निम्नलिखित ई टेन्डर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक सामने अंकित है। जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आंमत्रित किये जाते है। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या	161-DRM-MB-24-25 Dt. 18.09.2024	168-DRM-MB-24-25 Dt. 18.09.2024	176-DRM-MB-24-25 Dt. 19.09.2024	177-DRM-MB-24-25 Dt. 19.09.2024
कार्य का नाम	Cess repair work between MB-GZB section in the section of ADEN/GJL under Sr.DEN/IV/MB.	Cess repair work between GJL-MZM section in the section of ADEN/GJL under Sr.DEN/IV/MB.	Cess repair work between KRJ-MTC section in the section of ADEN/HPU under Sr.DEN/IV/MB.	Cess repair work between GMS-MFH section in the section of ADEN/HPU under Sr.DEN/IV/MB.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक	15.10.2024	15.10.2024	15.10.2024	15.10.2024
टेन्डर क्लोसिंग समय	16:00	16:00	16:00	16:00
अनुमानित लागत	1,19,71,869.89	79,99,719.14	79,98,880.85	1,19,99,494.05
धरोहर राशि	2,09,900.00	1,60,000.00	1,60,000.00	2,10,000.00
कार्य पूर्ण करने की अवधि	8 माह	6 माह	6 माह	8 माह
बिडिंग आरंभ तिथि	01.10.2024	01.10.2024	01.10.2024	01.10.2024

2919/24

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

एक नजर

राहुल का महिमामंडन करना कांग्रेस की मजबूरी, भाजपा की नहीं

देहरादून। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा कि राहुल गांधी का महिमामंडन कांग्रेस नेताओं की मजबूरी हो सकती है भाजपा की नहीं। उन्होंने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि लगता है उन्होंने अपना पत्र गलत पते पर भेज दिया है। भट्ट ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा, संप्रभुता और सद्भावना को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष ने थोड़ा सा ज्ञान यदि राहुल गांधी को दिया होता तो उन्हें यह पत्र लिखने की जरूरत ही नहीं पड़ती। महेंद्र भट्ट ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी मुहब्बत की दुकान को नफरत के सामानों से भरा हुआ है। वे मोदी विरोध की खातिर हमेशा विदेश जाकर देश की छवि खराब करने का काम करते हैं।

निगम महासंघ को शासन ने वार्ता को बुलाया

देहरादून। राज्य निगम कर्मचारी अधिकारी महासंघ की लंबित मांगों के निस्तारण को कार्मिक विभाग की ओर से वार्ता का समय दे दिया गया है। 23 सितंबर को महासंघ पदाधिकारियों की अपर मुख्य सचिव कार्मिक आनंद बर्द्धन से वार्ता होगी। महासंघ अध्यक्ष दिनेश गोसाईं ने कहा कि लंबे समय से महासंघ की ओ से वार्ता का समय मांगा जा रहा था। महासंघ की ओर से मांग की जा रही है कि जनवरी 2024 से लंबित बढ़े हुए महंगाई भत्ते का लाभ कर्मचारियों को सुनिश्चित कराया जाए। जब राज्य कर्मियों को बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता मिल चुका है, तो निगमों के साथ क्यों भेदभाव बरता जा रहा है। क्यों समय पर भुगतान नहीं किया जा रहा है। महासचिव बीएस रावत ने कहा कि संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण पर भी सरकार जल्द फैसला ले। नियमितीकरण होने तक कर्मचारियों को समान काम का समान वेतन दिया जाए। वार्ता में मजबूती के साथ कर्मचारी मुद्दों को उठाने के साथ ही उनका निस्तारण सुनिश्चित कराया जाएगा।

प्रेमनगर में चेन लूट की घटना में दो दिन बाद मुकदमा दर्ज

देहरादून। प्रेमनगर थाना पुलिस ने चेन लूट की घटना के दो दिन बाद मुकदमा दर्ज किया है। 16 सितंबर को चेन लूट की घटना में 18 सितंबर को मुकदमा दर्ज किया गया है। अब बदमाशों की तलाश में क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। शक्ति कॉलोनी, स्मिथनगर निवासी 62 वर्षीय माहेश्वरी देवी बीते 16 सितंबर को पड़ोसन के साथ घर से कुछ दूरी पर सब्जी लेने गई थी। सब्जी लेकर वापस लौटते समय, रात करीब 8 बजे एक अज्ञात व्यक्ति ने उनकी गले में पहनी सोने की चेन पर झपट्टा मारा। पास में स्कूटर लेकर खड़े आरोपी के पीछे वह बैठा और ठाकुरपुर रोड की ओर फरार हो गया। यह घटना इतनी अचानक हुई कि माहेश्वरी देवी डर गईं और तुरंत कुछ नहीं कर पाईं। जब बदमाश दूर जा चुके तब वह संभली। घर जाकर मामला बताया तो पुलिस को सूचना दी गई। एसओ प्रेमनगर गिरीश नेगी ने बताया कि महिला की ओर से 18 सितंबर को तहरीर दी गई। जिस पर अज्ञात दो युवकों के खिलाफ चेन लूट का मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपी बदमाशों की तलाश कर रही है।

नियमितीकरण नियमावली में शामिल किए जाएं उपनल कर्मचारी

देहरादून। ऊर्जा के उपनल कर्मचारियों को नियमित किए जाने की मांग तेज हो गई है। उत्तराखंड विद्युत अधिकारी कर्मचारी संयुक्त संघर्ष मोर्चा ने मुख्य सचिव राधा रतूड़ी को ज्ञापन सौंप नियमितीकरण नियमावली में उपनल कर्मचारियों को भी शामिल किए जाने की मांग की। सचिवालय में मुख्य सचिव को ज्ञापन सौंप मोर्चा पदाधिकारियों ने कहा कि नियमितीकरण पर पहला हक मौजूदा समय में उपनल कर्मचारियों का है। संयोजक इंसारुल हक ने कहा कि उत्तराखंड में 2003 से संविदा नियुक्ति पर रोक लगी है। कार्मिक विभाग की ओर से जारी आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि संविदा पर सिर्फ उपनल से ही कर्मचारियों को रखा जाए। इसके बाद राज्य के विभागों में उपनल से ही कर्मचारियों को संविदा पर नियुक्त किया गया। संयोजक विनोद कवि ने कहा कि कार्मिक विभाग के स्तर से नियमितीकरण नियमावली में उपनल कर्मचारियों को शामिल किया जाए। नियमावली तैयार करते समय हाईकोर्ट के स्तर पर उपनल कर्मचारियों को नियमित किए जाने और समान काम का समान वेतन दिए जाने के आदेश का भी ध्यान रखा जाए। जब तक कर्मचारियों को नियमित नहीं किया जाता, उन्हें समान काम का समान वेतन देने की सुविधा दी जाए। महंगाई भत्ता तत्काल बहाल किया जाए। उन्हें कैशलेश इलाज की भी सुविधा दी जाए।

सांप के काटने पर डरें व घबराएं नहीं : डॉ. कुंवर

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : स्वास्थ्य विभाग के तत्वाधान में राजकीय इंटर कॉलेज केवर्स में अंतरराष्ट्रीय सर्पदंश जागरूकता दिवस पर जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा स्कूली छात्र-छात्राओं की स्वास्थ्य स्क्रीनिंग व हीमोग्लोबिन की जांच के साथ ही टीबी मुक्त पंचायत के संबंध में जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. रमेश कुंवर ने बताया कि प्रति वर्ष सर्पदंश के बढ़ते केसों के कारण आज इस ओर जागरूकता की अधिक आवश्यकता महसूस की जा रही है। कहा कि यदि सांप काटे तो बिल्कुल भी डरना या घबराना नहीं चाहिए, आज मेडिकल साइंस ने इतनी तरक्की कर ली है कि सांप के काटने पर यदि समय से उपचार मिल जाए तो व्यक्ति को आसानी से बचाया जा सकता है। उन्होंने सर्पदंश के लिए उपयोग होने वाली एंटी स्नेक वेनम के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यह सभी चिकित्सालयों में उपलब्ध है। सर्पदंश के लक्षणों को लेकर उन्होंने बताया कि सांप काटने वाली जगह पर दो घाव के निशान के अलावा हाथ पैर सुन्न होना, काटने की जगह पर तेज दर्द, उल्टी आना, सांस लेने में परेशानी, काटने की जगह पर लाली, बहुत पसीना आना जैसे लक्षण हो सकते हैं। घाव को बर्फ या पानी से नहीं धोना चाहिए व दबाव बनाकर खून को रोकने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अप्रैल से अभी तक जनपद में सर्पदंश के 30 केस आ चुके हैं, समय से उपचार मिलने के उपरांत सभी लोग स्वस्थ हैं। इसलिए कभी कोई ऐसी घटना हो तो व्यक्ति को बिल्कुल भी डरना व घबराना नहीं चाहिए, जितनी जल्दी हो सके व्यक्ति को उपचार हेतु चिकित्सालय ले कर जाएं। कार्यक्रम में वन विभाग से वन दरोगा करिश्मा ने कहा कि सभी सांप की प्रजाति में 85 प्रतिशत सांप जहरीले नहीं होते, अपने घरों के आसपास सफाई रखें, ईंट, पत्थर, लकड़ी इत्यादि के ढेर न रखें, चूहे के बिलों को बंद कर दें। उन्होंने बताया कि सांप को मारना भी कानूनी अपराध है, इसलिए कभी भी सांप दिखे तो वन विभाग की टीम को सूचित करें। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य किशोर रौतेला, डॉ. आशीष गुसाईं, डॉ. शशांक उनियाल, डॉ. पंकज जुयाल, श्वेता गुसाईं, एएनएम नीलम, शकुंतला नेगी, वन दरोगा राकेश रावत, वन बीट अधिकारी पंकज नेगी सहित अन्य शिक्षक व छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

सिलाई कार्य में दक्ष बन स्वरोजगार से जुड़े महिलाएं

जयन्त प्रतिनिधि। थलीसैंण : गुरूवार को विकासखंड स्तर पर 30 दिवसीय सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न हो गया है। इस मौके पर खंड विकास अधिकारी टीकाराम कोटियाल ने महिलाओं से सिलाई को स्वरोजगार के रूप में अपनाने की अपील करते हुए कहा कि महिलाएं सिलाई का प्रशिक्षण प्राप्त कर इस कार्य को कर स्वरोजगार से जुड़ सकती हैं। सिलाई के क्षेत्र में स्वरोजगार की असीम संभावनाएं हैं। इस व्यवसाय से जुड़कर स्वालंबी बन सकते हैं। साथ ही अपने परिवार का जीवन स्तर को सुधार सकते हैं। इस मौके पर मुख्य अतिथि आनंद सिंह पूर्व प्रधान कैंचूर, श्याम शरण ममगाई पूर्व ज्येष्ठ प्रमुख, खंड विकास अधिकारी टीकाराम कोटियाल व क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी दिनेश चौहान ने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किये।

यूपीएस स्कीम के विरोध में धरना देंगे रक्षा कर्मचारी

देहरादून। ऑल इंडिया डिफेंस एम्पलाइज फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष व महामंत्री ने कहा कि यूनाइटेड पेंशन स्कीम के विरोध में ऑल इंडिया डिफेंस एम्पलाइज फेडरेशन ने आह्वान किया है कि समस्त रक्षा कर्मचारी 2 अक्टूबर2024 को गांधी जयंती के दिन गांधी प्रतिमा के सामने यूपीएस स्कीम के विरोध में धरना देंगे ,तथा 1 अक्टूबर2024 को सभी केंद्रीय कर्मचारी विरोध स्वरूपकाली पट्टी बांधकर कार्य करेंगे। फैडरेशन के पदाधिकारी यहां अपने देहरादून भ्रमण के दौरान पत्रकारां से बात कर रहे थे। उन होंने कहा कि केंद्र सरकार ने 220 वर्ष पुरानी ऑर्डिनेंस फैक्ट्री को कोविड–19 की पहली लहर में आपदा में अवसर का लाभ उठाते हुए मई 2020 में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा 41 ऑर्डिनेंस व्यक्तियों को निगमीकरण करने की घोषणा की गई थी। ऑल इंडिया डिफेंस एंप्लॉय फेडरेशन के द्वारा अक्टूबर 2020 से अनिश्चितकालीन हड़ताल करने का नोटिस देने पर केंद सरकार द्वारा एक कमेटी का गठन किया गया तथा फैडरेशन को वार्ता के लिए आमंत्रित किया गया। वार्ता के फेल होने पर रक्षा मंत्री द्वारा 16 जून 2021 को ऑर्डिनेंस फैक्ट्री को सात निगमों में बांटने का अध्यादेश जारी कर दिया गया। फेडरेशन के द्वारा माह जुलाई 21से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की घोषणा करने पर केंद्र सरकार द्वारा 30 जून2021 को ही अति आवश्यक रक्षा सर्विस एक्ट लागू कर दिया गया जिसके तहत जो भी कर्मचारी हड़ताल पर जाएगा उसे 1 वर्ष की कैद और 10000 जुर्माना देना पड़ेगा। केंद्र सरकार के इस फैसले के खिलाफ ऑल डिफेंस इंप्लाइज फेडरेशन ने सुप्रीम कोर्ट व चेन्नई हाई कोर्ट में एक पिटीशन दायर करी जिसके द्वारा ऑर्डिनेंस फैक्ट्री के कॉर्पोरेशन बनाने के फैसले को कोर्ट में चुनौती दी गई ।

अशासकीय स्कूलों के शिक्षक व कर्मचारियों के शीघ्र बनेंगे गोल्डन कार्ड

राजधानी दून में विभिन्न समस्याओं को लेकर अधिकारियों से मिला प्रतिनिधि मंडल

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : उत्तराखंड माध्यमिक शिक्षक संघ का प्रान्त व जिला स्तर का प्रतिनिधिमंडल ने अपनी समस्याओं के निस्तारण हेतु प्रदेश की राजधानी देहरादून में अधिकारियों से मुलाकात कर विभिन्न समस्याओं के निराकरण की मांग की। संघ के पौड़ी जिलाध्यक्ष डॉ. महावीर बिष्ट ने कहा कि अशासकीय विद्यालयों के शिक्षक व कर्मचारियों के शीघ्र गोल्डन कार्ड बनेंगे।

जानकारी देते हुए माध्यमिक शिक्षक संघ के पौड़ी के जिलाध्यक्ष डॉ. महावीर बिष्ट ने बताया कि राजकीय विद्यालयों की भांति अशासकीय विद्यालयों के शिक्षक व कर्मचारियों के गोल्डन कार्ड बनने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। इस सम्बन्ध में संघ का प्रतिनिधिमंडल अपर निदेशक वित्तीय उत्तराखंड डाटा सेंटर गुलफाम अहमद से मिला। अपर निदेशक वित्तीय डाटा सेन्टर के निर्देशानुसार डाटा आपरेटर डाटा सेन्टर द्वारा शिष्ट मण्डल को आईएफएमएस पोर्टल पर एसजीएचएस कटौती का डेमो जनता इंटर कॉलेज कमलपुर संगलाकोटी विद्यालय की आईडी से दिखाया गया। उन्होंने बताया कि पोर्टल पर एसजीएचएस कटौती का विकल्प तो तैयार है, लेकिन सम्बन्धित पोर्टल पर पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध नहीं है, जिस कारण एसजीएचएस पोर्टल पर आश्रितों का विवरण भी अंकित कर पाना सम्भव नहीं है तथा कटौती तो वेतन से हो जायेगी, लेकिन इसका उचित लाभ मिल पाना सम्भव नहीं हो पायेगा। समस्या के समाधान हेतु राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण आईटीपार्क देहरादून में अतुल जोशी से वार्ता की गई। उन्होंने समस्या के समाधान हेतु उत्तराखंड माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रतिनिधि मण्डल को आश्वस्त किया गया कि पुनः शीघ्र इस समस्या के समाधान हेतु डाटा सेंटर को पत्र प्रेषित किया जायेगा एवं समस्या के समाधान होने पर ही गोल्डन कार्ड हेतु एसजीएचएस कटौती प्रारम्भ की जायेगी। अशासकीय विद्यालय के शिक्षकों व कर्मचारियों को सामूहिक बीमा योजना का लाभ राजकीय विद्यालयों की भांति दिए जाने में प्रबंधक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा शिक्षक व कर्मचारियों का डाटा शीघ्र उपलब्ध कराने को कहा व सामूहिक बीमा दिए जाने का आश्वासन दिया।

गढ़वाल मंडल के रुद्रप्रयाग जिले के सहायता प्राप्त जूनियर हाई स्कूलों के शिक्षकों को सात महीने से वेतन नहीं मिलने के मामले में प्रतिनिधिमंडल ने प्राथमिक शिक्षा निदेशक रामकृष्ण उनियाल से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही वेतन आहरित करा दिया जायेगा।

प्रतिनिधि मंडल में प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र मिश्रा, प्रदेश महामंत्री जगमोहन रावत, जिला अध्यक्ष पौड़ी डॉ. महावीर बिष्ट, जिलाध्यक्ष देहरादून महावीर मेहता, गढ़वाल मंडल अध्यक्ष संजय रावत, अजय बिष्ट, सुखदेव रावत, यशवंत भंडारी, मनोज शर्मा आदि शामिल थे।

एसएसपी ने किया साइबर सेल व फाइनेंशियल फ्रॉड यूनिट का शुभारंभ

साइबर धोखाधड़ी के शिकार हुये लोगों को त्वरित मिलेगी सहायता, साइबर ठगों पर कसेगा शिकंजा

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : श्रीनगर जनपद पौड़ी का महत्पूर्ण कस्बा है। जहां पर जनपद की अधिकांश आबादी निवासरत है। साइबर फ्रॉड होने पर आमजन को लम्बी दूरी तय कर पौड़ी या कोटद्वार साइबर सेल में रिपोर्ट दर्ज करवानी पड़ती है। आमजन की सुविधा को देखते हुए व बढ़ते साइबर व फाइनेंशियल फ्रॉड के दृष्टिगत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी लोकेश्वर सिंह ने गुरूवार को महिला थाना श्रीनगर में साइबर सेल व फाइनेंशियल फ्रॉड यूनिट का रिबन काटकर शुभारम्भ किया।

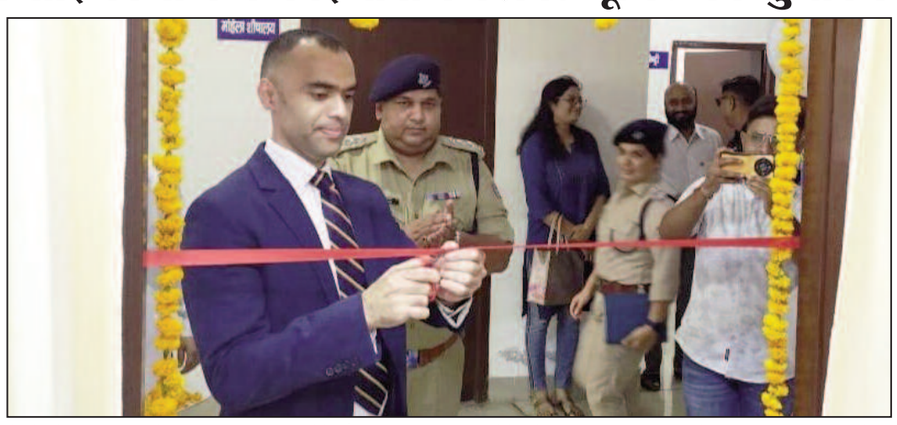

एसएसपी ने कहा कि जनपद पौड़ी गढ़वाल पुलिस द्वारा साइबर क्राइम पर रोक लगाने, साइबर अपराधियों की कमर तोड़ने के लिए अब कोटद्वार की तर्ज पर श्रीनगर में भी साइबर सेल व फाइनेंशियल फ्रॉड यूनिट खोली गयी है। जहां पर लोग अपनी साइबर व फाइनेंशियल फ्रॉड सम्बन्धित शिकायतें दर्ज करा सकते है। साइबर अपराध, ऑनलाइन फ्रॉड करने वाले ज्यादातर अपराधी अन्य प्रदेशों के होते है। साइबर अपराध होने के बाद आरोपी की धरपकड़, पीड़ित की मदद कर उनकी मेहनत की कमाई को वापस दिलाने की कार्यवाही इस साइबर सेल द्वारा सुनिश्चित कराई जायेगी। एसएसपी ने कहा कि आमजन को साइबर अपराध व ऑनलाइन फ्रॉड के प्रति अलर्ट और जागरूक करने का काम भी साइबर सेल श्रीनगर द्वारा किया जायेगा। इस मौके पर एसएसपी ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 10 लोगों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। साथ ही उनको लागातार अच्छे कार्य करने हेतु प्रेरित किया।

रैली निकालकर किया स्वच्छता के प्रति जागरूक

जयन्त प्रतिनिधि।

लैंसडौन : पर्यटन नगरी लैंसडौन में छावनी परिषद के द्वारा स्वच्छता ही सेवा 2024 मिशन के अंतर्गत स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए ऐतिहासिक गांधी चौक में रैली निकालकर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही लोगों से प्लास्टिक के बैग का उपयोग न करने की अपील की।

अभियान के अंतर्गत आमजन को स्वच्छता रखने के लिए प्रेरित किया गया। इस अभियान के तहत यात्रियों और आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। इसके साथ ही उन्हें प्लास्टिक के बैग उपयोग न करने के लिए प्रेरित किया गया। गुरूवार को स्कूल के बच्चों ने सफाई कर्मियों के साथ गांधी चौक पर जागरूकता रैली निकाली। इस दौरान बच्चें हाथों में आमजन को जागरूक बनाने हेतु बैनर लेकर चल रहे थे। इस मौके पर छावनी परिषद के सफाई निरीक्षक दीपक मिश्रा सहित सफाई कर्मचारी, स्कूलों के बच्चें मौजूद रहे।

सुरक्षा मानकों को पूरा न करने पर 5 स्कूली वाहनों का किया चालान

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : स्कूली बच्चों की सुरक्षा के दृष्टिगत जिलाधिकारी संदीप तिवारी के निर्देशों पर परिवहन विभाग द्वारा कर्णप्रयाग-गौचर क्षेत्र में संचालित स्कूल वाहनों की सघन चैकिंग की गई। निरीक्षक के दौरान वाहनों में स्थापित कैमरा, पैनिक बटन, अग्निशमन उपकरण, फर्स्ट एड बॉक्स, लेडी अटेंडेट, खिड़कियों पर जाल आदि सुरक्षा मानकों की जांच की गई। सुरक्षा मानकों को पूरा न करने पर पांच स्कूली वाहनों का चालान किया गया।

सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी ज्योति शंकर मिश्र ने बताया कि चैकिंग अभियान के दौरान कुल 74 वाहनों की जांच की गई, जिसमें 13 स्कूली वाहन भी शामिल है। इस दौरान 26 वाहनों का चालान और 02 वाहन सीज किए गए। उन्होंने बताया कि हेलमेट न पहनने पर 05, लाइसेंस में 06, प्रदूषण 03, कर 03, भार वाहन में ओवर लोड 01, परमिट शर्तों के विरुद्ध 01, एचएसआरपी के 02, भार वाहन में सवारी 01, बीमा 01, फस्ट एड बॉक्स 05, यूनिफार्म 01, रिफ्लेक्टर 05, अग्निशमन उपकरण 01, डस्टबिन 01 और अन्य अभियोग के तहत 10 मामलों में कार्रवाई की गई।

अफसर जल जीवन मिशन के कार्यों में तेजी लाएं : डीएम

जिलाधिकारी ने की जल जीवन मिशन कार्यों की समीक्षा

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने गुरूवार को क्लेक्ट्रट सभागार में जल जीवन मिशन कार्यों की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक ली। इस दौरान जल जीवन मिशन के द्वितीय फेज के कार्यों की प्रगति, हर घर जल, स्त्रोत की जियो टैगिंग और पेयजल की गुणवता को लेकर समीक्षा की गयी।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जल जीवन मिशन के कार्यों में मैन पावर बढ़ाते हुए तेजी लाना सुनिश्चित करें। हर घर जल व स्त्रोतो की जियो टैगिंग कार्य 30 सितंबर तक पूरा किया जाए। डीपीआरओ को ग्राम पंचायत विकास अधिकारियों के माध्यम से हर घर जल का सर्टिफिकेशन कराते हुए फोटो अपलोड कराने के निर्देश दिए। जल संस्थान के अधीक्षण अभियन्ता संजय कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि जल जीवन मिशन के तहत जनपद में 571 योजनाएं स्वीकृत हैं। इसमें से 372 योजनाएं पूर्ण कर ली गई है। शेष 299 योजनाओं का कार्य प्रगति पर है। उन्होंने बताया कि जल जीवन मिशन के कायो में जनपद राज्य में 9वें स्थान पर है। जनपद में 68 प्रतिशत योजनाओं के सूचना बोर्ड और 26 प्रतिशत पेयजल स्रोत की जियो टैगिंग कर दी गई है। जनपद में 99.68 प्रतिशत एफएचटीसी का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। बैठक में डीएफओ सर्वेश कुमार दुबे, परियोजना निदेशक आनन्द सिंह, अधिशासी अभियन्ता जल संस्थान कर्णप्रयाग मुकेश कुमार सहित संबधित अधिकारी मौजूद रहे।

चमोली में कीवी के उत्पादन से मजबूत हो रही काश्तकारों की आय

जनपद के 810 काश्तकारों ने कीवी उत्पादन का कार्य किया शुरू वर्ष 2023-24 में काश्तकारों ने 20 कुंतल कीवी का किया उत्पादन

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : चमोली में कीवी के उत्पादन से काश्तकारों की आय मजबूत होने लगी है। वर्तमान में जनपद के 810 काश्तकार कीवी उत्पादन का कार्य कर रहे है। बीते वर्ष जनपद के काश्तकारों ने 20 कुंतल कीवी का उत्पादन कर 6 लाख की आमदनी प्राप्त की है।

उद्यान विभाग के सहायक विकास अधिकारी रघुवीर सिंह राणा ने बताया कि चमोली में वर्ष 2021-22 में राज्य सेक्टर की योजना के तहत 725 काश्तकारों के साथ कीवी के 7000 पौधों का रोपण किया गया। जिसके बाद कीवी की मांग और उत्पादन को देखते हुए जिला प्रशासन ने अनटाइड फंड से वर्ष 2022-23 में 60 काश्तकारों को 2085 और वर्ष 2023-24 में वर्तमान तक मिशन कीवी अभियान के तहत 26 काश्तकारों को कीवी के पौधे आवंटित किए हैं। जबकि 54 काश्तकारों की ओर से कीवी के पौधों के लिए आवेदन किया गया है।

उन्होंने बताया वर्ष 2023-24 में जनपद के कीवी उत्पादक काश्तकारों की ओर से स्थानीय स्तर पर 20 कुंतल कीवी का उत्पादन का 6 लाख की आय अर्जित की गई है। कहा कि वर्तमान में जिले के नैल-नौली, मंडल, बैरागना, बणद्वारा, कोटेश्वर, रौली-ग्वाड़, सरतोली, पैनी परसारी और थराली क्षेत्र में 810 कातश्कारों की ओर से कीवी का उत्पादन किया जा रहा है। कहा कि इस वर्ष जनपद में 40 कुंतल कीवी उत्पादन का अनुमान है। जबकि वर्ष 2025 तक यह उत्पाद 100 कुंतल से अधिक पहुंच जाएगा।

क्या कहते हैं काश्तकार

महावीर सिंह बैरागना, दशोली, चमोली ने कहा कि कीवी के उत्पादन से बेहतर आय प्राप्त हो रही है। वहीं इसके उत्पादन में कम मेहनत में बेहतर फसल प्राप्त होती है। इसके फल को बंदर और लंगूर भी नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। जिससे कीवी के उत्पादन में नुकसान की संभावना भी कम हो जाती है। कीवी के औषधीय गुणों के चलते बाजार में बेहतर मांग है। जो काश्तकारों के लिए लाभकारी साबित होगा। देवेंद्र सिंह, नौली, पोखरी, चमोली ने कहा कि कीवी का बाहरी हिस्सा रोंएदार होने और स्वाद खट्टा होने से इसे बंदरों और लंगूरों से बचाने की आवश्यकता नहीं होती। वहीं इसके औषधीय गुणों के चलते फल की बाजार में मांग बनी रहती है। फल का प्रसंस्करण कर इसके उत्पाद तैयार कर भी काश्तकार बेहतर आय अर्जित कर रहे हैं।

कीवी के औषधीय गुण

कीवी मानव की रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि करने के साथ ही ब्लड प्रेशर, कब्ज, आंख संबंधी रोगों में लाभकारी बताया गया है। इसके साथ ही यह त्वचा को सुंदर बनाने और वजन को सामान्य करने में भी मददगार होता है। डेंगू, मलेरिया जैसे रोगों में चिकित्सकों की ओर से कीवी के फल के सेवन की सलाह दी जाती है।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382—222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com